

सुपर कमांडो

बालचरित्र

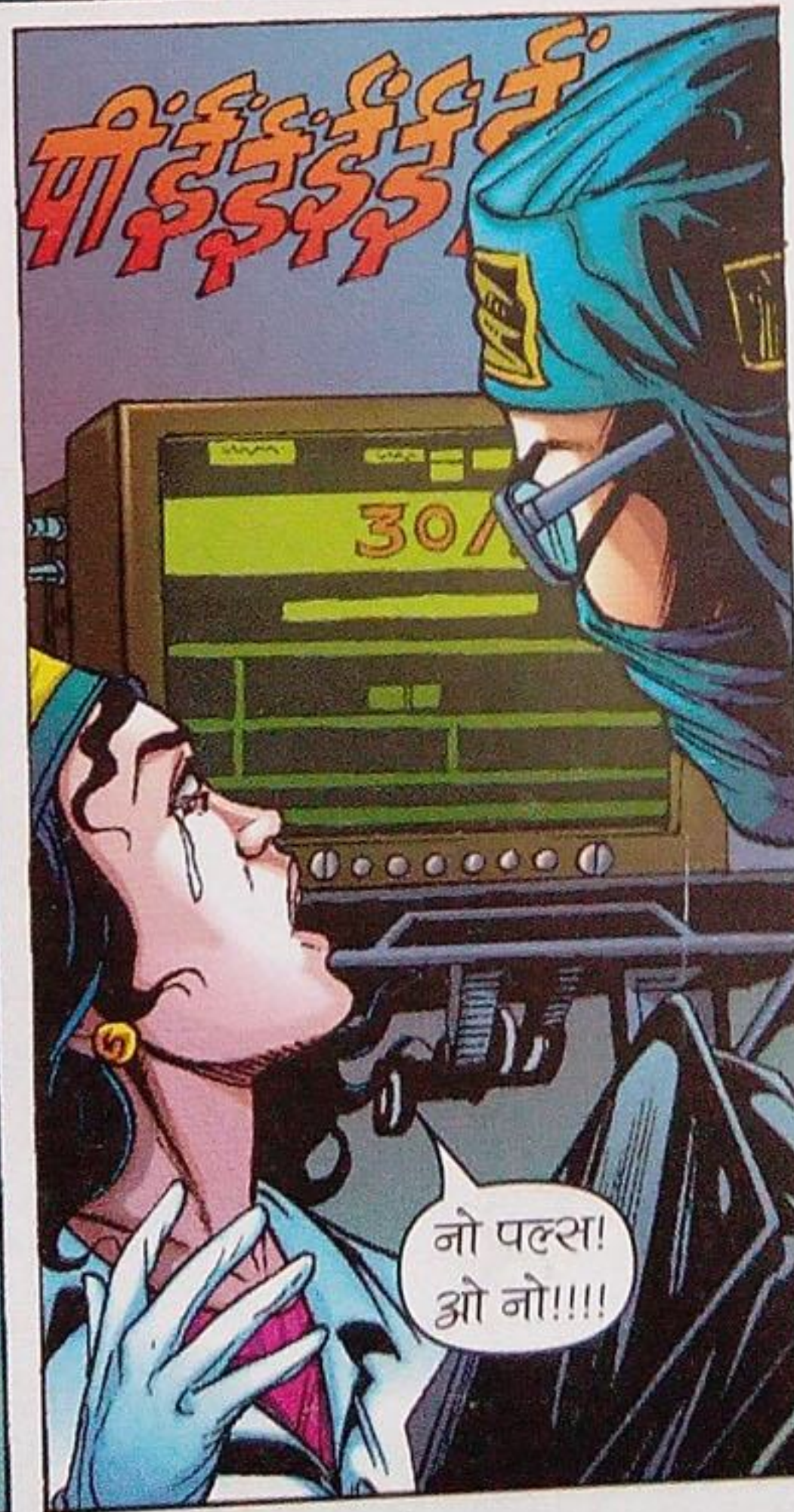
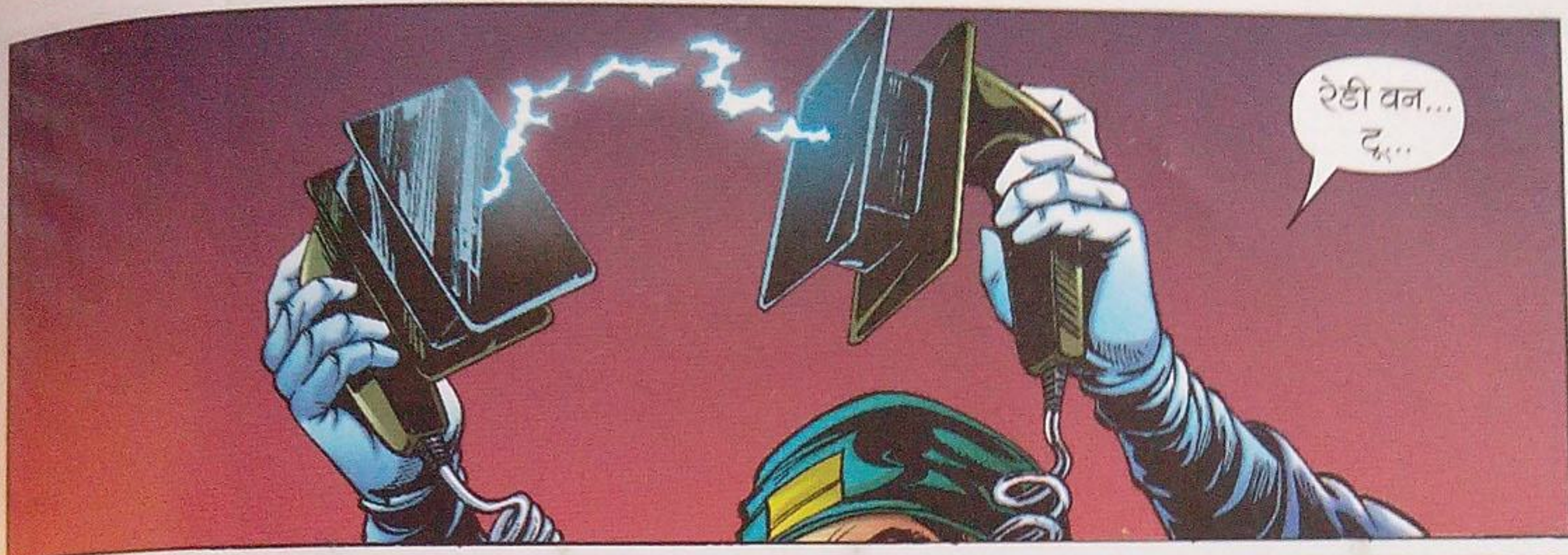
सुपर कमांडो
JUPITER K ध्रुव



सर्वनायक वर्ष 2015



azamworld.blogspot.com persent's





जिंदगी के अंत और मौत की सरहद के बीच में होती है एक नो मैनस लैंड। जो ना जिंदगी की होती है ना मौत की।

इस क्षेत्र में रहती हैं उस इंसान के जीवन की यादें जिनमें सबसे आगे होता है उसका...

राजचरित

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

राज कॉमिक्स है मेरा जन्म!

कथा एवं चित्रांकन: अनुपम सिन्हा

कैलीग्राफी: मंदार मंगेले, नीरू

इंकिंग: विनोद कुमार

इफैक्ट्स: बसंत, मोहन प्रभु

संपादक: मनीष गुप्ता

संस्थापक: राज कुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

RAJ COMICS-HOME OF INDIAN SUPER HEROES 1986-2014

तीन दशक मनोरंजन के।

क्या हुआ! क्यों हुआ? कैसे हुआ? जिदंगी में घटने वाला कोई भी हादसा किस पल जन्म लेता है, यह बता पाना असंभव है।

समय के तार के हर छोर से अनगिनत तार निकलते हैं, और उन सारे तारों के छोरों से और असंख्य लट जुड़े होते हैं।

काल के आरंभ में हुई घटना, काल के अनंत तक पर असर डालती है।

**यूक्रेन के कियेव शहर में होटल
क्राउन कियेव की 75वीं मंजिल**

हम 75वीं मंजिल पर हैं। 60वीं मंजिल से ऊपर की लिफ्ट बंद है, सीढ़ियां ब्लॉकड हैं!

फिर भी हर फ्लोर के हर एंट्रेंस और एक्जिट पर मिलिट्री का पहरा है।

RADISSON BLU

अब और सिर्फ तीस सेकंड बचे हैं। अगर तुम्हारा किलर अगले तीस सेकंड में मुझे गोली मार दे तो...

तो जितना भी बड़ा मुंह फाड़ोगे, सोने से भर दिया जाएगा। वर्ना, खोपड़ी गोलियों से भर दी जाएगी।

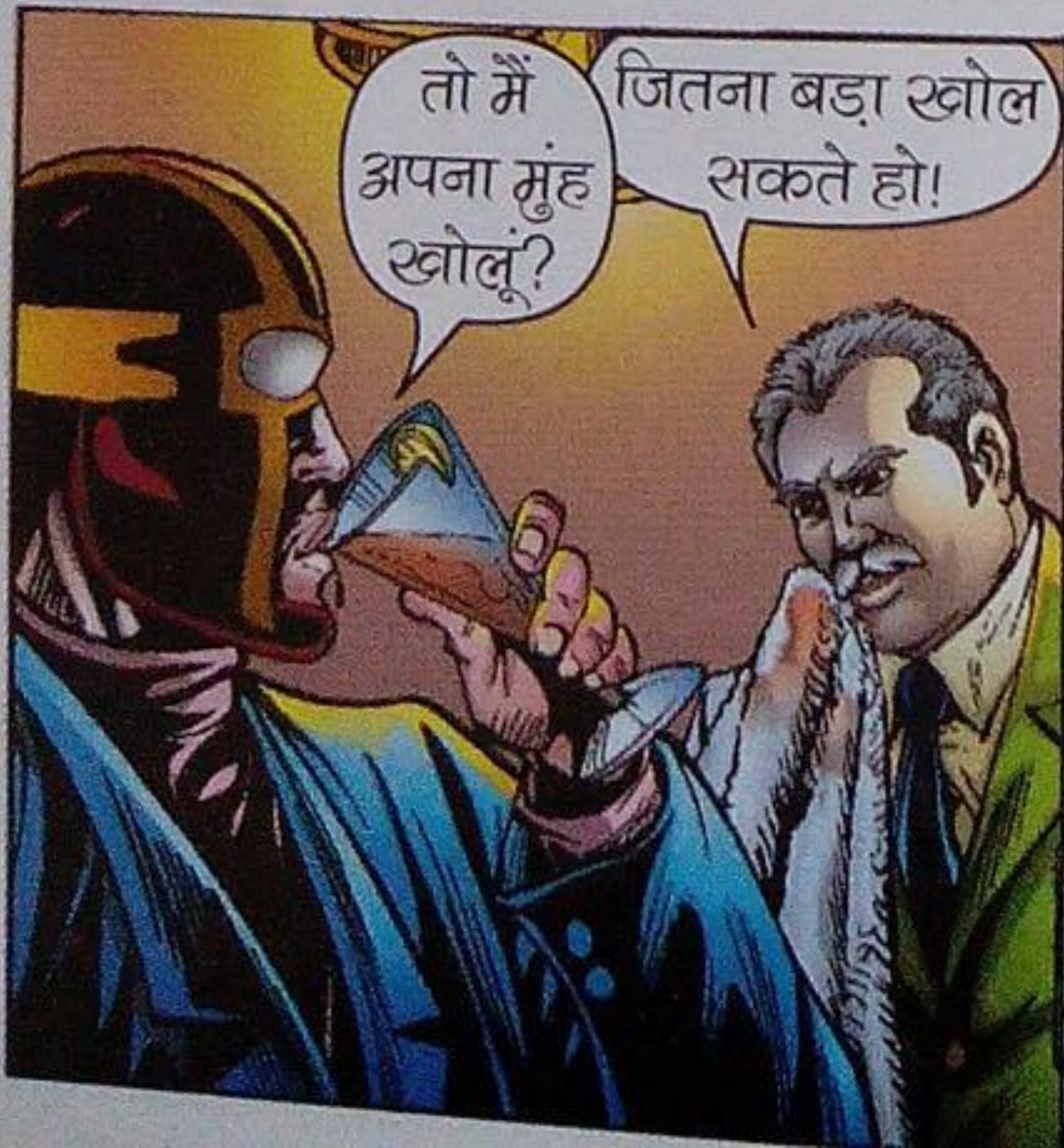
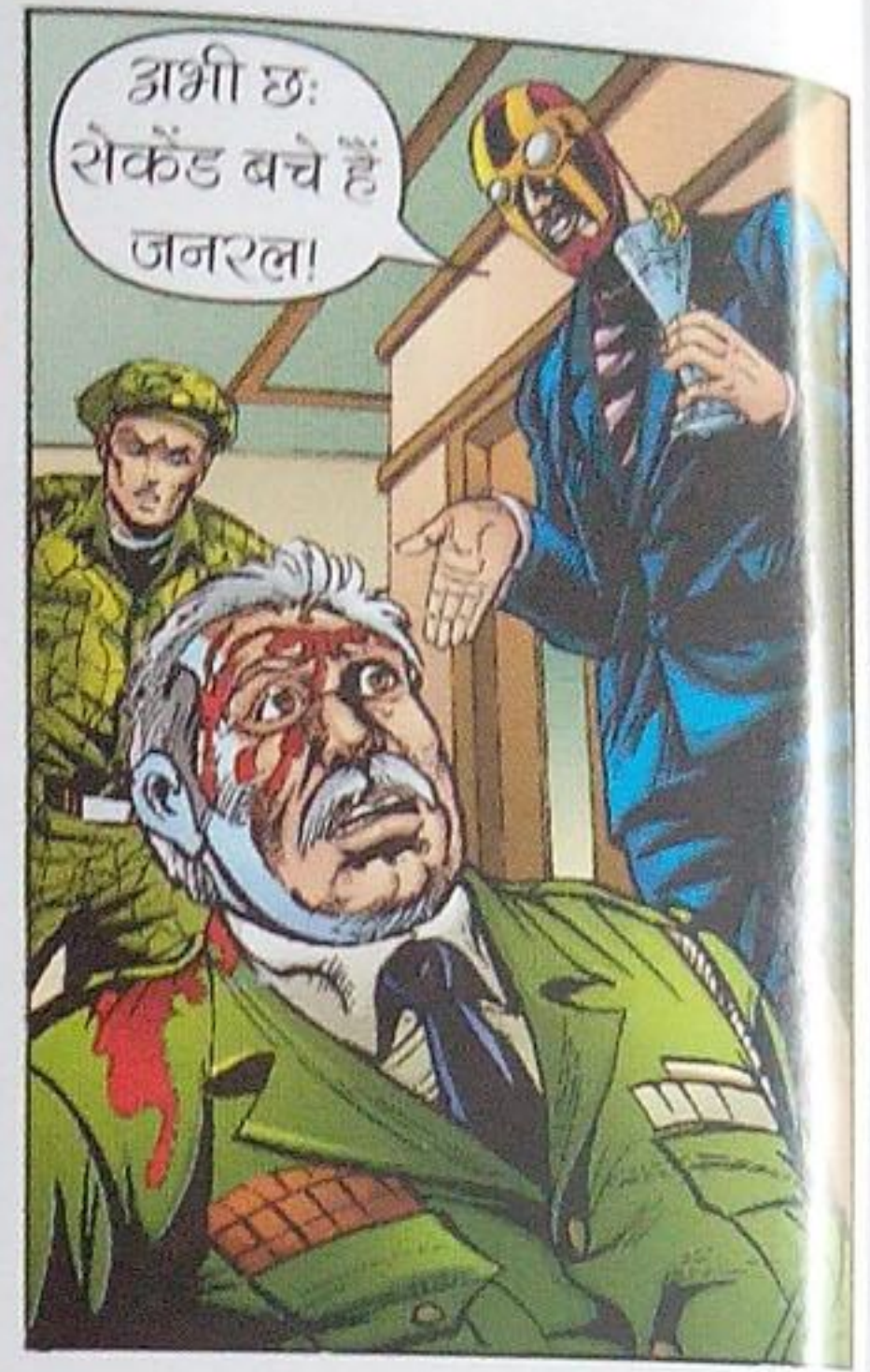
डार्लिंग, देखो तौलिया बाहर छूट गया है क्या?

ओफफो!

शाम के सात बज रहे हैं। यह कोई नहाने का टाईम है?

तुम औरतें भी न!

पकड़ो यह तौलिया। और अब अपनी चोंच बंद रखना।





कॉन्टैक्ट क्या है, लीडर?

यूक्रेन के प्रेसिडेंट की हत्या!

वह होटल में नहीं प्रेसिडेंट फोर्ट में रहता है और इस वक़्त तो वहां की सिक्योरिटी अभेद्य है!...

तुम हमारे अब तक के सबसे खास हथियार के साथ वहां जाओगी, संधानी!

डॉक्टर सैमी याद है तुम्हें? उसके फोर्मूले को हमने पंद्रह साल की मेहनत के बाद फिर से बना लिया है!

"तब तो काम आसान हो गया समझो!"



गृहयुद्ध की विभीषिका में सुलग रहे यूक्रेन देश की राजधानी किएव स्थित प्रेसिडेंट फोर्ट यानी मेरियिन्सकी पैलेस में!

खतरा बढ़ता जा रहा है मिस्टर प्रेसिडेंट! बागी सैनिक कभी भी बड़ा हमला कर सकते हैं!

और यहां रहने के कारण आपकी वर्तमान स्थिति का सभी को पता है!

आपको हमारे किसी गुप्त ठिकाने पर चले जाना चाहिए!

ताकि विद्रोहियों को आभास हो कि हम डर गए हैं?

मुझे अपनी सिक्योरिटी पर पूरा भरोसा है!



हम सीधे हमले से तो बच सकते हैं सर! क्योंकि उसकी पूर्व चेतावनी मिलनी आसान है!

"हमारी परेशानी गुप्त हमला है!"

यह हवा का हल्का सा झोंका कहां से आया?



"हमारी नई इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स के अनुसार हमारी सेना के कुछ विद्रोहियों ने आपको मारने का कांट्रेक्ट हंटर्स को दिया है।"

"हंटर्स! नाम तो सुना है मैंने! कौन हैं ये हंटर्स?"

"कातिलों का अत्यंत गुप्त गुप है, सर! मैंने भी हंटर्स के बारे में सिर्फ कहानियां ही सुनी हैं"

आऊऊ

संभल कर!

"उनके अनुसार अदभुत शक्तियों वाले कातिलों की टोली हैं हंटर्स!"

क्या हुआ?

पता नहीं! मेरा पैर किसी चीज में फंस गया था!

कहां? इस सीढ़ी पर तो कार्पेट तक नहीं लगा!

पर कुछ था जरूर!

"अचूक निशानेबाज होते हैं ये! वक्र यानी कर्व गोलियों का इस्तेमाल करते हैं ये!"

"जो बूमरैंग की तरह हवा में अपनी दिशा बदल कर भी शिकार को मार सकती हैं!"

"फिल्में तक बनती हैं इनकी कहानियों पर!"

अदभुत लड़ाके होते हैं ये! पानी के नीचे देर तक सांस रोकना, सैकड़ों फुट की ऊंचाई से कूदना... अरे!

आपने बुलाया सर?

नहीं तो!

ओह! दरवाजे पर खट से आवाज हुई थी!









मेहरा निवास, राजनगर।

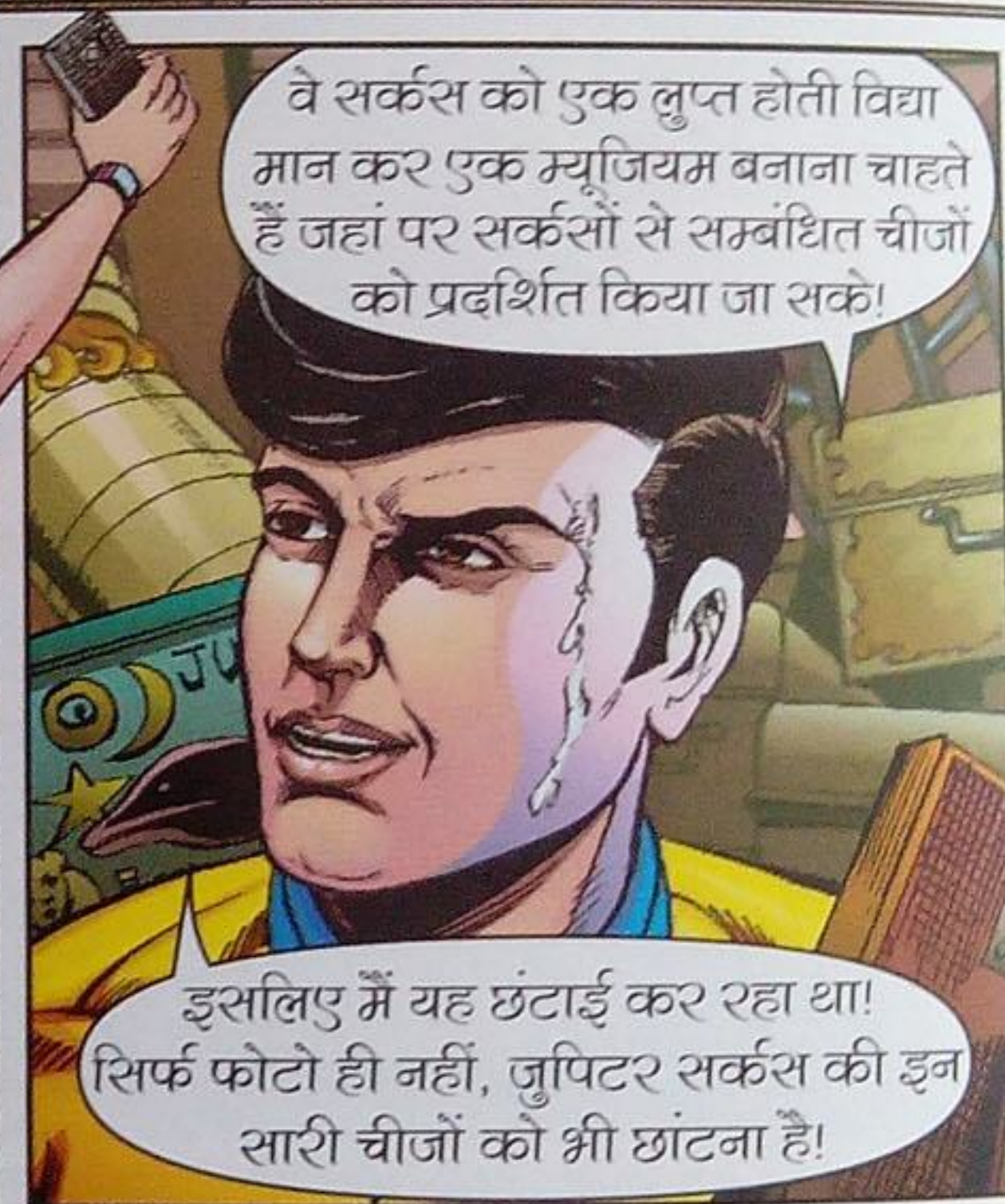




...भूत है मेरा!
ईSSS!
सही में भूत लग रहे हो!
अब लगा ना मैं तेरा भाई! बोल, क्यों आई है धूल स्नान करने?



बताती हूं! पर तुम यहां क्या दूँ रहें हो?
अपने मां और पापा की कोई अच्छी सी फोटो! उसे एनलार्ज करवा के लॉस्ट आर्ट फाउंडेशन को देना है!
क्या करेंगे वे इस फोटो का?



वे सर्कस को एक लुप्त होती विद्या मान कर एक म्यूजियम बनाना चाहते हैं जहां पर सर्कसों से सम्बंधित चीजों को प्रदर्शित किया जा सके!
इसलिए मैं यह छंटार्इ कर रहा था! सिर्फ फोटो ही नहीं, जुपिटर सर्कस की इन सारी चीजों को भी छंटना है!



हां, यहां सर्कस में जानवरों के काम करने पर रोक लगाने के बाद सर्कस का आधे से ज्यादा आकर्षण तो खत्म हो ही गया है!
ओ वाऊ! कितनी ब्यूटीफुल लग रही हैं तुम्हारी मां इस फोटो में! एकदम शांत, सौम्य! देवी जैसी!



देवी तो
थीं मां! लेकिन
दुर्गा देवी!

मां की
शक्ल पर
मत जा!

अनुशासन की
बड़ी पक्की थी मां!
पिताजी तो एक बार मुझ
बच्चे पर दया कर भी
लेते थे, पर मां...

कभी नहीं!

वे जरूर
भविष्य देख सकती
होंगी! उनके ही कारण
तुम आज इतना कुछ
संभाल पाते हो!



मुझे हमेशा
लगा जैसे... वे मुझे मजबूत
बनाना चाहती थीं! पर उस वक्त
तो बस मामूली हादसे होते थे!
न जाने उन्हें किस बात की
चिंता थी! कभी बताया
नहीं उन्होंने!

सीधी सी बात
है! नाना... या नानी
सख्त रहे होंगे तो
मां पर भी असर आ
गया होगा!

नाना और
नानी?

हां! कैसे थे
तुम्हारे नाना-
नानी?

अ...कभी
जिक्र नहीं चला
इस बात का!



मां ने कभी
अपने बारे में बात
ही नहीं की!



क्या करें?
कब तक इंतजार
करें?

"उसके बाहर जाने तक का
इंतजार करो! चाहे रात हो जाए!"

"और फिर तलाश शुरू करना।
पर याद रहे उलूक! तुम पुलिस
कमिशनर के घर में खड़े हो!"

अभी हमें
इसका सामना नहीं
करना है!

"कोई आवाज
ना हो और किसी
भी किश्म की
लाईट ना जले!"

नाईट विजन
से पांच मिनटों से
तलाश कर रहा हूँ, बाहर
तो कुछ ऐसा नजर
नहीं आ रहा है!

एक्स रे
विजन ऑन करता
हूँ! शायद यहां बिखरे
पड़े बॉक्सेस के अंदर
कुछ मिले!

इन बक्सों
के अंदर ऐसा
कुछ भी...

नहीं है!

तुम कबाड़ी
हो क्या? क्या तुम्हें
ध्रुव ने बुलाया है?

MEMOIRS



कौन है
तू? क्या देख
कर उलूक के हाथों
यहां पर मरने
चली आई!

तुझे पता
कैसे चला कि
इस शैड में
कोई है?

काम चुपचाप
करते हो! कुछ गिराते
नहीं हो पर धूल जरूर
उड़ाते हो, खैर!

चंडिका
तुम्हें झाड़-पोंछ की
नौकरी पर रख
सकती है!

चंडिका
कौन?

अरे मैं! जी.के.
कमजोर है क्या
तुम्हारा?

कमजोरी
तुझे आणगी शरीर
का खून बह जाने
के बाद!

आह!

यह तो सचमुच उल्लू की तरह
झपट्टा मारता है! धारदार झपट्टा!



यह मामूली चोर या घुसपैठिया नहीं है! इस वेयरहाउस तक पहुंचने के लिए सिक्योरिटी अलार्म की तीन स्टेज पार करनी पड़ती हैं!

और कोई कबाड़ चुराने के लिए पुलिस के घर में घुस कर इतना बड़ा खतरा तो मोल लेगा नहीं!



यानी यह किसी खास मकसद से यहां पर आया है।
पर यह है कौन और इसका मकसद है क्या?

आह!!

आहह! आ...
असंभव!

असंभव? तू पहले कभी किसी लड़की से पिटा नहीं क्या?

तेरी हरकतें देख कर ऐसा लगता तो नहीं!



तू मुझ पर वार करने में सफल हो गई! पिछले बारह सालों में पहली बार कोई उलूक को लड़ाई में छू पाया है!

फुर्तीली है तू! खतरा बन सकती है मेरे लिए!



इससे पहले कि मेरा खून ज्यादा बहे, मुझे इसे खुद ही काबू में करना होगा! क्योंकि मुझे शक है...



...कि यह मुझे मदद बुलाने के लिए बाहर जाने देगा!

और इस पर काबू पाने का एक ही तरीका है!

पर उलूक अपने शिकार को इतना मौका नहीं देता!

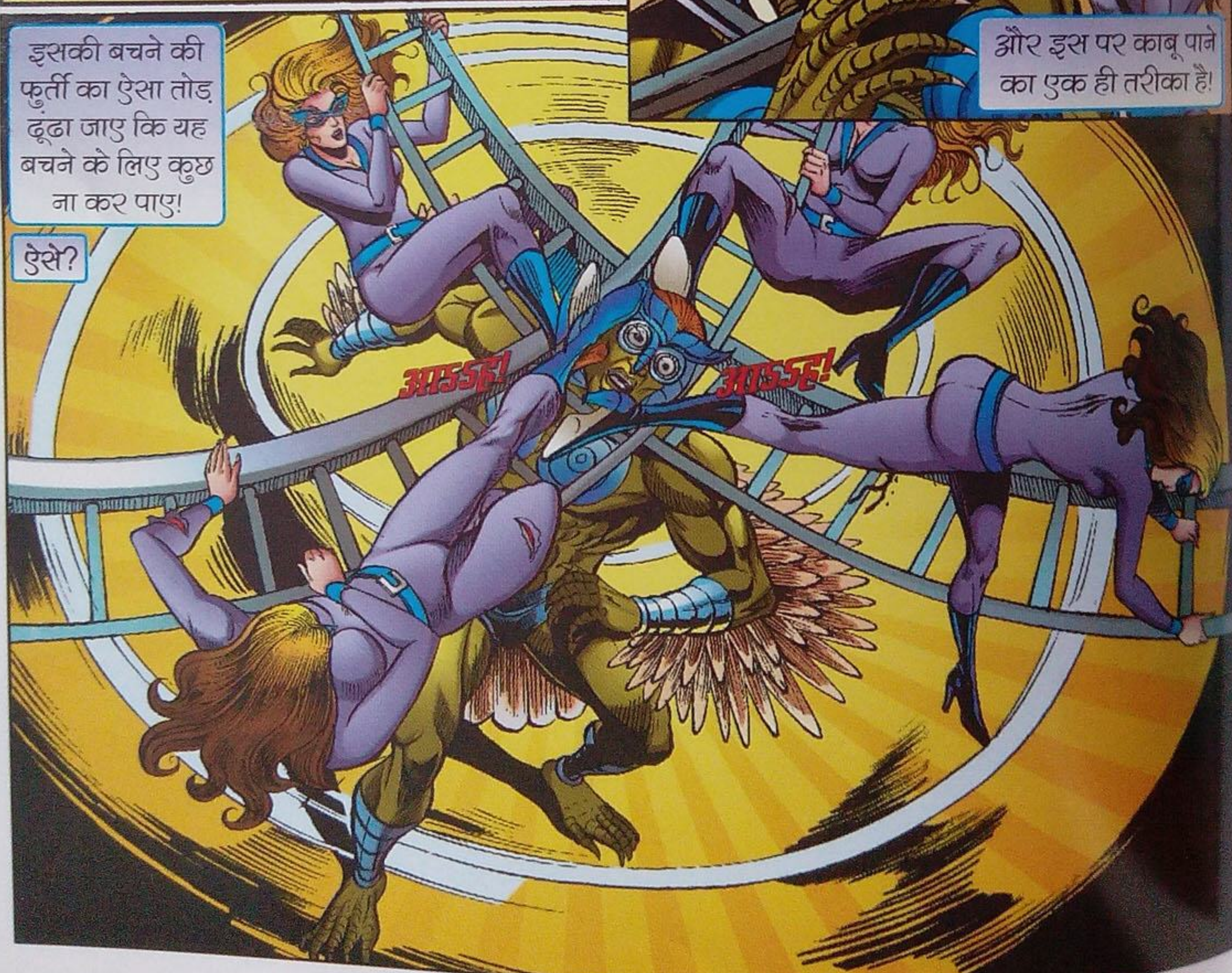
मैंने कहा था ना कि कमजोरी तुझे आएगी, जब तेरे शरीर से खून रिस-रिस कर बाहर टपकेगा!

इसकी बचने की फुर्ती का ऐसा तोड़ दूँगा कि यह बचने के लिए कुछ ना कर पाए!

ऐसे?

आउह!

आउह!





सबसे पहले उलूक की आंख का इंतजाम करना होगा! और जब इसे दिखाई देना बंद...



आह!!

तू हर पल मेरी उम्मीद से ज्यादा खतरनाक होती जा रही है!

लेकिन हम अपना निशान कभी नहीं छोड़ते...



...गवाह को जिंदा तो कतई नहीं छोड़ते!

आह!!

लगातार खून निकलने के कारण आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है!

लेकिन अगर मैं बेहोश हो गई...



...तो चंडिका पकड़ी जाएगी!

...और ऐसा हुआ तो... नहीं! पर मैं ऐसी हालत में करूं तो करूं क्या?

मैं तो मुश्किल से बस हिल पा रही हूं!

कैसे वार करूं इस पर?



पर यहां से बाहर निकल कर मदद बुलाने के लिए कोई तो रास्ता निकालना होगा!

एक रास्ता नजर आ रहा है। यह ह्यूमन केनन।



अरे! कहां गई? यहीं पर तो गिरी थी वह मुसीबत!

उलूक के कैनन के सामने आते ही...



कैनन के अंदर छिपी चंडिका ने लीवर खींच दिया...

ओ...ओ

और उलूक के कुछ समझ पाने से पहले ही...

...चंडिका तोप के गोले की तरह उलूक से टकराते हुए...



...उसे वेयर हाऊस
से बाहर ले आई।

ओफ! इस
लड़की ने मरणारन्न
अवस्था में भी मुझे खुले
में आने पर मजबूर
कर दिया है!



यह हाई सिक्योरिटी
जोन है! मुझे कोई भी कभी
भी देख सकता है! और यह
नियमों के विरुद्ध है!

पर किसी
गवाह को जिंदा
छोड़ना भी नियमों
के विरुद्ध है।



चीं चीं
चींsssचीं
चीं चीं।

यह क्या?
रात के समय
चिड़ियों का
विशाल झुंड!





चिड़िया यानी भईया को खबर... मिल गई है! वह आ रहा है!



और मुझ पर बेहोशी छा रही है!



लो आ गया भईया! आज तो... चंडिका और श्वेता का भेद खुल कर रहेगा!

ओफ! कोई आ रहा है! और बाईक की यह आवाज बता रही है...



"...कि वह धुव के अलावा और कोई हो ही नहीं सकता!"

चंडिका! कहां हो तुम?





श्वेता!

श्वेता!

पीऊं५५५ पीऊं५५५ पीऊं५५५

घबराओ मत, रजनी, कुछ नहीं होगा श्वेता को!

श्वेता स्टेबल है, कमिश्नर! मगर पक्के तौर पर फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता!

वह शॉक में है! खून काफी बह गया था! यूं समझें कि अभी वह हमारी निगरानी में है!



“...जो भी तुम्हारे दिल में है, उसे श्वेता से बोल कर अपना दिल हल्का कर लो!”



पता नहीं, तू मुझे सुन सकती है या नहीं, पर मैं तो तेरी राखी की लाज पूरी तरह नहीं रख पाया, श्वेता! मैं आया तो था चंडिका की मदद को, पर घायल मिली तू! सच्चाई तो तेरे मुंह से भी सुनूंगा...

लेकिन एक वादा करके जाता हूँ तेरे होश में आने से पहले तेरा गुनहगार सलाखों के पीछे होगा!

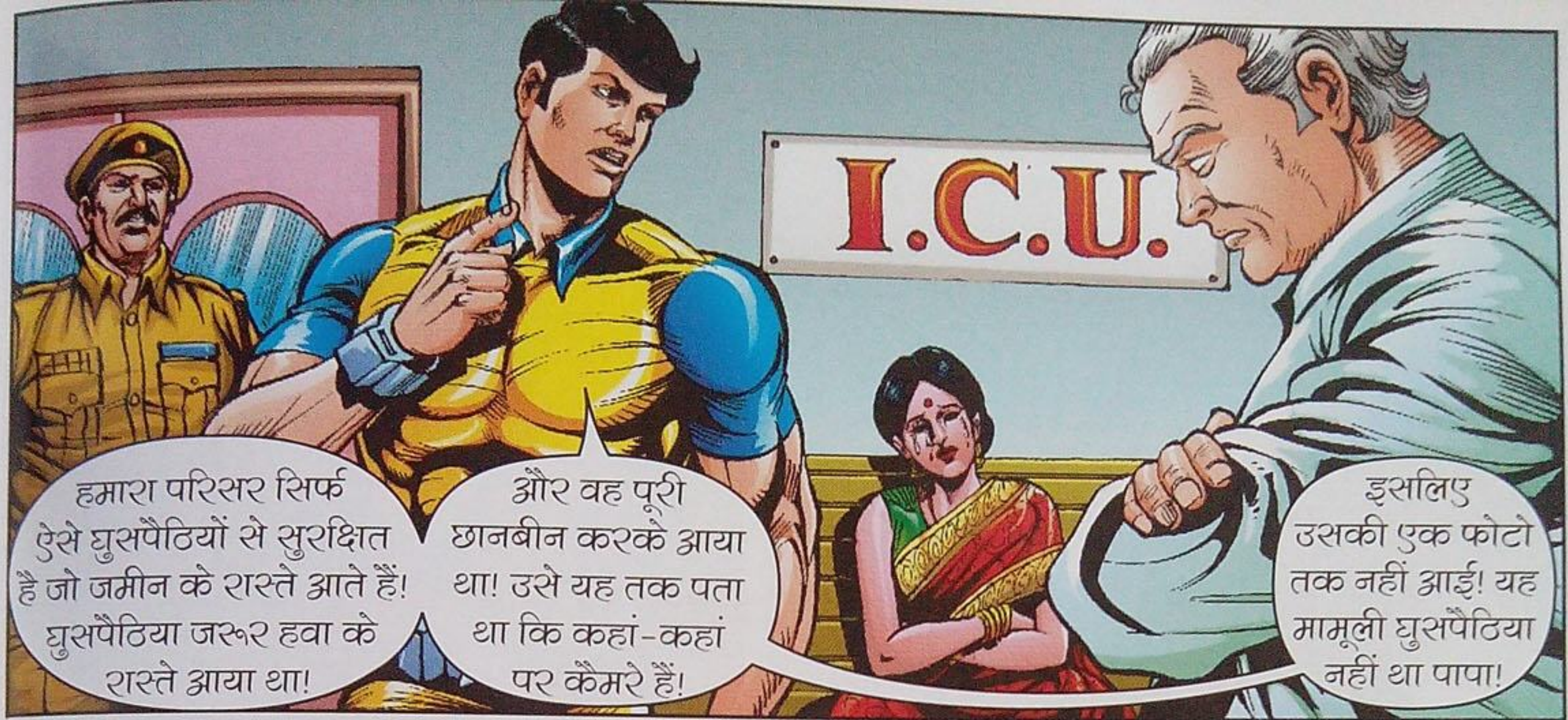
तेरी हालत देख कर इस बात का मुझे अफसोस हो रहा है कि मैं कानून को कभी तोड़ता क्यों नहीं! तोड़ूंगा तो आज भी नहीं!

पर तेरे शरीर से बहे खून के एक-एक कतरे का हिसाब लूंगा मैं!



ये सब क्या है, ध्रुव? ये हुआ कैसे? हमारा आवास तो C.C.T.V. और तीन स्तरीय सुरक्षा से लैस है!

कई ट्रिप अलार्म भी हैं! फिर कोई हमारे परिसर में घुस कर इतनी बड़ी वारदात कैसे कर गया?



हमारा परिसर सिर्फ ऐसे घुसपैठियों से सुरक्षित है जो जमीन के रास्ते आते हैं! घुसपैठिया जरूर हवा के रास्ते आया था!

और वह पूरी छानबीन करके आया था! उसे यह तक पता था कि कहां-कहां पर कैमरे हैं!

इसलिए उसकी एक फोटो तक नहीं आई! यह मामूली घुसपैठिया नहीं था पापा!

वह जो भी था तुम्हारे सर्कस के वेयरहाउस में क्या कर रहा था?

यही तो मैं भी सोच रहा हूं! वहां पर तो मेरे अलावा किसी के भी काम का कुछ भी नहीं है!

मुझे तो चिड़ियों ने चंडिका से किसी के मुठभेड़ की खबर बताई तो मैंने अपने पहुंचने से पहले चिड़ियों को उसकी रक्षा के लिए भेजा था!

अब चंडिका गायब कैसे हुई और श्वेता घायल कैसे हुई यह तो श्वेता ही बता सकती है!

अगर... श्वेता और चंडिका एक ही शख्स नहीं हैं तो!

श्वेता अगर चंडिका होती तो भला ऐसे पिटती?

तुम्हारा शक कभी दूर होगा भी या नहीं?

अब बताओ, तुम यहां रुकोगे या मैं रुकूं?

आज आपको ही रुकना पड़ेगा पापा!

“क्योंकि मुझे किसी और को भागने से रोकना है।”



“उस हमलावर को? उसकी तो किसी C.C.T.V. में फोटो तक नहीं है! फिर तुम उसे ढूँढोगे कैसे? और वह अब तक राजनगर में होगा क्यों?”

तुमसे इतने छोटे से काम में चूक की उम्मीद नहीं थी, उलूक!

मुझसे चूक नहीं हुई, यक्षा! मैंने काम पूरा कर लिया था! वांछित वस्तु वहाँ पर नहीं थी!

मैंने एक्स रे और इन्फ्रा रेड तक से छानबीन की थी!

हम उस चूक की बात नहीं कर रहे हैं! वह लड़की अब तक जिंदा है!

उसकी चिंता न करें! उसका बचना असंभव है!

हम जैकब को चुप करने का काम शुरू करते हैं!

ये चिड़ियाघर बीच-बीच में आकर मेरा निशाना बिगाड़ रही हैं!

उसका चेहरा तो मैं नहीं देख पाया पर उस घर से एक एम्बुलेंस सरकारी अस्पताल जल्द पहुँची है!

मैं यहाँ से दस किलोमीटर की दूरी पर अस्पताल को देख सकता हूँ!

वह जल्द आई.सी.यू. में होगी! मैं यहाँ से बैठे-बैठे पूरा आई.सी.यू. ही उड़ा दूँगा!

तो जल्दी कर!

तू उस लड़की की जबान ग्रेनेड लॉन्चर से हमेशा के लिए बंद कर!





पर इतनी
ऊंचाई पर चिड़ियों का
ये झुंड...अरे!



य...यह
असंभव है!



चि...चिड़ियों में
इतनी ताकत कि ग्रेनेड
लांचर को उठा कर मुझ
पर तान दें! असंभव!

सही समझे!
वैसे तुम्हारा दिमाग...

...उल्लू के हिसाब
से काफी तेज है! यह
गन स्टार लाइन के सहारे
अटकी है! इसे मैंने
ही खींचा था!

पर अब यह
उनके पंजों में है
जिनको तुमने काफी
घाव पहुंचाए हैं!

तुमने मुझे
दूढ़ निकाला!





ओह! मैं
कुछ ज्यादा जल्दी
तारीफ कर बैठा! मैंने
कहा था कि तुमने इन
चिड़ियों को घाव
पहुंचाए हैं!

अब
पूछूंगा मैं...

ये तबसे
तुम्हारे पीछे
लगी थीं!

...और बताओगे
तुम! किससे ऑर्डर ले
रहे हो तुम? किसने
भेजा है तुम्हें और
क्यों?

इससे पहले कि
चिड़ियों के नादान पंजों से
कोई हादसा हो जाए, सच
उगल दो! वरना तुम्हारे मालिक
तुम्हें इस लोक में
रहने नहीं देंगे...

और मैं तुम्हें
परलोक जाने नहीं
दूंगा! उफफ!

शिकार,
शिकारी को धमकी
नहीं देते!

यह प्लान
में तो नहीं था!
अच्छा ही हुआ
कि तू खुद ही
मेरे सामने
आ गया!

अब मेरा
अभियान यहीं
पर पूरा हो
जाएगा!

और मुझ
पर लगा चूक करने
का कलंक भी धुल
जाएगा!

ओफ! मुझे यकीन होता जा रहा है कि यह
कुशल हत्यारा होने के साथ-साथ अनुभवी
फाईटर भी है! पर ये है कौन?

यह खुद तो
कुछ बताएगा
नहीं!



इसलिए मुझे इसके मालिकों को जानने के लिए इस लैपटॉप को हासिल करना पड़ेगा!

तू लैपटॉप चाहता है!



पर सॉरी!
अभी इसपर मेरी चैट जारी है!

और जिस ब्रेनेड लांचर का डर तू मुझे दिखा रहा है वह सिर्फ मेरे फिंगर प्रिंट्स से अनलॉक होता है!



उस लड़की के बदन से तो सिर्फ खून ही निकाला था!

आह!



उलूक ने ध्रुव की आंखों में खून उतरवा दिया!



पर तेरे तो फेफड़ों से मैं मांस ही निकाल लूंगा!

श्वेता के बदन से रिस्ते खून की याद दिलाकर...

अब तक क्रोध के जिस लावे को ध्रुव के सब्र की चट्टान ने दबा रखा था, वह टूट गई थी!

तेरी खैरियत इसी में थी कि तू चुपचाप मेरे सवालों के जवाब देते जाता!

पर अब मुझे लगता है कि तेरी जबान तभी चलेगी जब तेरा बाकी शरीर हिलना बंद हो जाएगा!

अब तो... इसके सामने... न मेरा कोई दांव चल रहा है और न ही पॉवर!

यह गुरसे से पागल हो रहा है! लेकिन फिर भी यह मुझ पर...



हावी नहीं...

ध्रुव की उस किक ने धारदार धातु को इलेक्ट्रिक ज्वाईंट का रास्ता दिखाया!



और एक जोरदार झटके से उल्लूक के दिमाग के सारे रास्ते बंद हो गए!



वैसे तुम्हारे बारे में कहानियां तो बड़ी सुनी हैं हमने! मौत के मुंह से ऐसे निकल आते हो जैसे सुरसा के मुंह से हनुमान!

अब बताओ ग्रेनेड तुम पर छोड़ूं या अस्पताल के I.C.U. पर?

यह हुई गन एक्टिवेट!

तुम अब तक मामूली दुश्मनों से उलझते आए हो! तुम्हें अंदाजा नहीं है कि इस बार तुमने किससे टक्कर ली है!

...और यह दबाया मैंने...

और क्रैन घूम कर टकराई तुम्हारे सिर से।

आह!!

गन छूट गई!

क्रैन को खींचने वाला लीवर...

ख
ट

और उधार केबिन का दूसरा कब्जा भी टूट गया।



और गन एक्टिवेट है। अब गन किसी भी वक्त चल जाएगी!

और यह ग्रेनेड ना जाने कहां जाकर टकराएगा...



...और...

गन चल गई! और...और यह ग्रेनेड सीधा मेरी ओर आ रहा...

इधर गन गिरी।

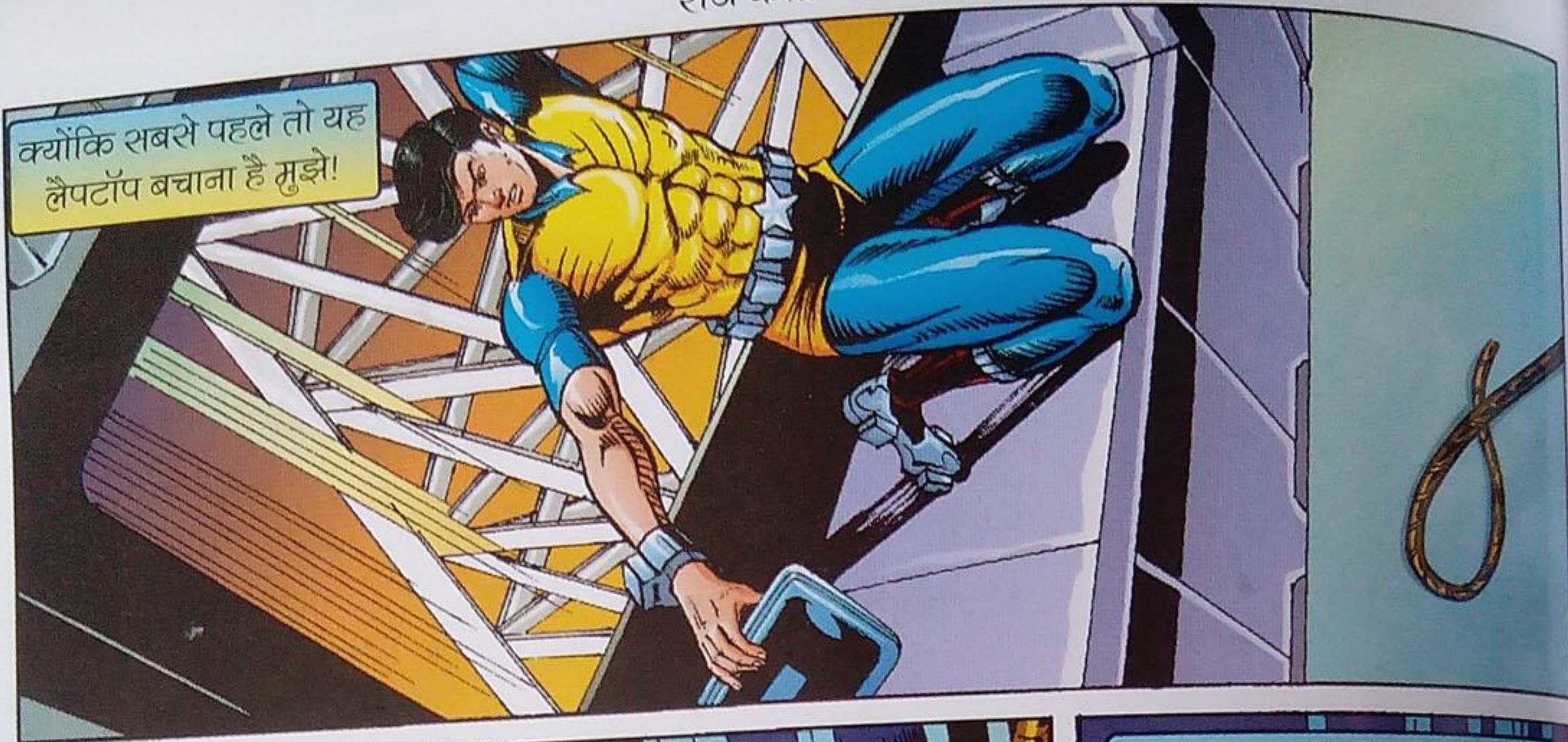


ओ गॉड! इस केबिन की फैंसिंग्स टूट गईं!

ओफ! यह क्या कर बैठा वह उल्लू? उसके कुछ उगलने से पहले मौत उसे निगल गई!

और अब मौत मेरे पीछे पड़ी है! स्टार लाइन छोड़ने का समय नहीं है...

क्योंकि सबसे पहले तो यह
लैपटॉप बचाना है मुझे!



फिर अगर समय रहते इस गिरते
केबिन की छत पर चढ़ कर...



...इस रेत के ढेर
पर कूद सकूं...



...तो खुद को भी बचा सकता हूं
और इस कीमती लैपटॉप को भी!



स्क्रीन ब्लैक है! पता नहीं यह चलेगा भी या नहीं!



पर अगर इसमें उलूक के आकाओं का एक भी लिंक सलामत है तो करीम एंड पार्टी उसको खोद निकालेगी!

ध्रुव अभी खोजबीन शुरू कर रहा था!

पर इस गुप्त स्थान पर कई कब्रें खुद चुकी थीं!



यह सिस्टम बदलना पड़ेगा! खतरनाक है! संपर्क में रहने का कोई और तरीका निकालना पड़ेगा!

उलूक गया! यकीन नहीं होता! हमारा इतना अनुभवी ऑपरेटिव ऐसे मारा गया!

मरा तो वह खुद, पर कारण ध्रुव ने पैदा किए थे!

कहीं अब वह लैपटॉप हमारे मरने का कारण ना बन जाए!

मौत का कारण तो बनेगा वह लैपटॉप...

"...लेकिन किसकी, यह तो वक्त ही बताएगा!"



"सारा प्लान उल्टा-पुल्टा हो गया है! अब ध्रुव का क्या करना है?"

"कुछ तो करना ही पड़ेगा! उलूक ने एक मामूली से ऑपरेशन को एक बड़ी आफत में बदल दिया है!"

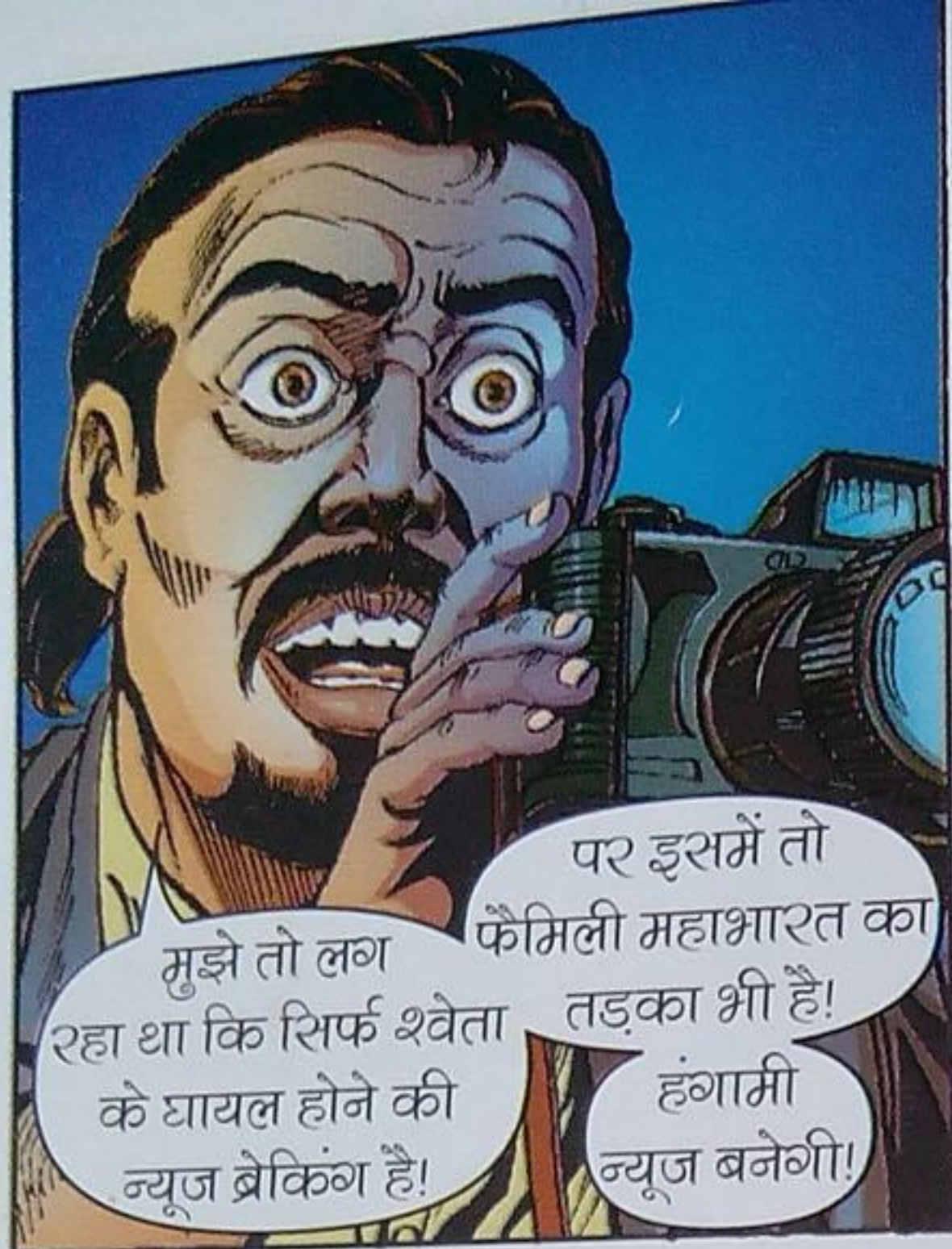


"ध्रुव अगर जिंदा रहा तो हमारा ऑपरेशन अधूरा ही रह जाएगा!"

"और यह हमारे अंत की शुरुआत होगी!"

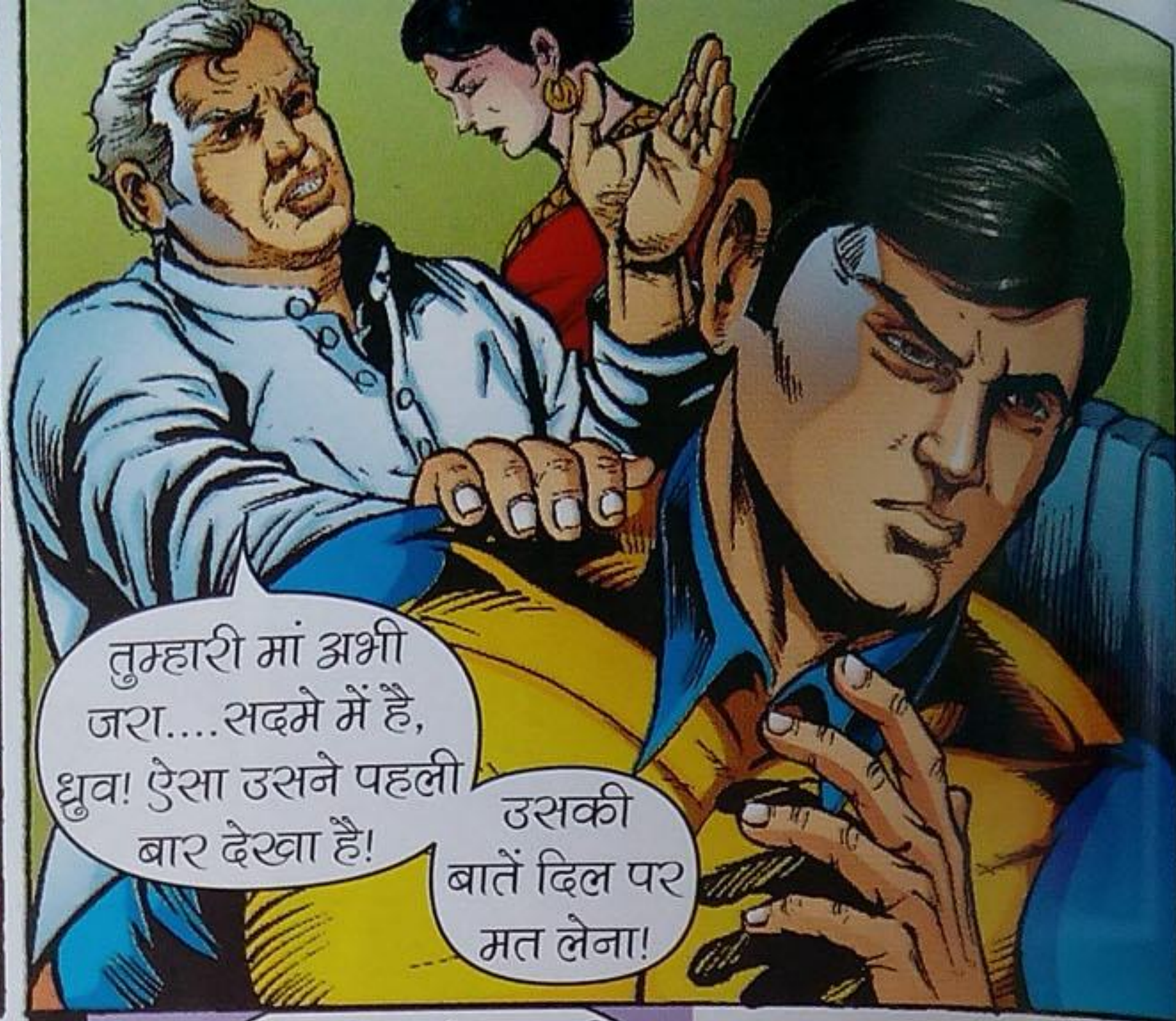






मुझे तो लग रहा था कि सिर्फ श्वेता के घायल होने की न्यूज ब्रेकिंग है!

पर इसमें तो फैमिली महाभारत का तड़का भी है! हंगामी न्यूज बनेगी!



तुम्हारी मां अभी जरा.... सदमे में है, धुव! ऐसा उसने पहली बार देखा है!

उसकी बातें दिल पर मत लेना!



नहीं, पापा! मां की बात का कोई बुरा मानता है भला!

श्वेता की हालत पर उनसे ज्यादा गुरसा तो मुझे आ रहा है!



और यह भी तो सच है कि श्वेता ने उनकी कोख से जन्म लिया है!

उसके लिए उनका इतना तड़पना एकदम स्वाभाविक है!

ऐसा मैंने कब कहा पापा?

धुव!

यानी जिसने उसकी कोख से जन्म नहीं लिया उसके लिए उसके दिल में कोई तड़प नहीं है!



ओ रिचा! तुम... यहां पर!

श्वेता के बारे में सुना तो मुझसे रहा नहीं गया!

एक मिनट!

और इसका जिम्मेदार, धुव कहीं न कहीं, खुद को ही मान रहा था।

पापा,
आप चलें!
मैं तो वैसे भी
कमांडो हेड-
क्वार्टर से
होता हुआ
आऊंगा!

...और जब
मैं वहां पहुंचा
तो श्वेता घायल
पड़ी थी!

हमलावर
का कोई
सुराग?

अ...वह जानकारी मैं
पहले पुलिस को दूंगा।
उसका खुलासा करना या न
करना उनके ऊपर है।

पर तुम्हें
इस बारे में पता
कैसे...

नमस्ते
अंकल!

हां, बताओ!
तुम्हें यह खबर
किसने दी?

वह
छोड़ो! यह
बताओ कि
श्वेता कैसी
हैं?

श्वेता की नाजुक हालत ने वर्षों
के खुशहाल माहौल में कड़वाहट
घोलनी शुरू कर दी थी।

तुम्हारी तो
सुई ही अटक गई
है। अरे बाबा, मैं इसी
हॉस्पिटल में रेगुलर
आती हूं ट्रीटमेंट
लेने।

आज बंदोबस्त ज्यादा
देखा तो मैंने एन्क्वायरी
की! मेरे भी जानकारी हैं यहां
पर। उन्होंने यह गुप्त जान-
कारी मुझे दे दी।

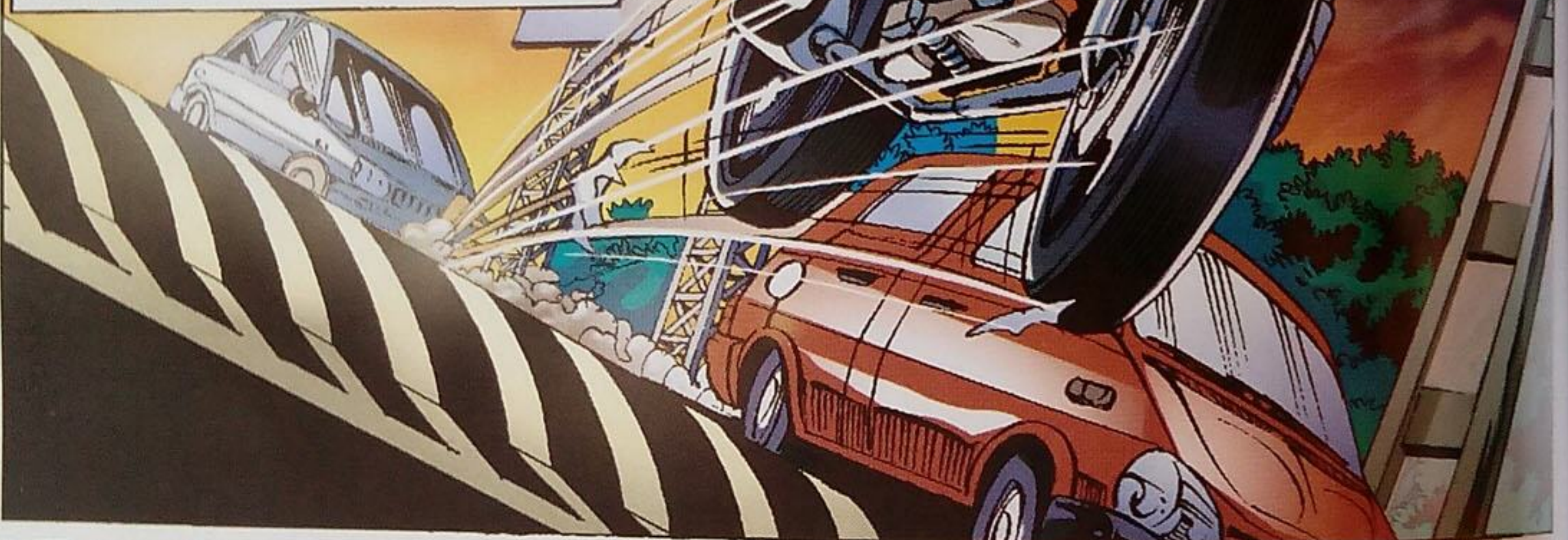
ओ.के.!
उम्मीद है कि
तुम सच बोल
रही हो।

“और उनसे निष्कर्ष निकालने की!”



यह क्या हो गया है तुम्हें?

कुछ नहीं! बस, शायद आदत है मामले की तह तक पहुंचने की! सुबूत तलाशने की।...



करीम! कुछ पता चला!

नो कैप्टेन! इस लैपटॉप का ऑपरेटिंग सिस्टम हमारे किसी भी सिस्टम से मेल नहीं खाता!

इसकी हार्ड डिस्क खोलकर डाटा निकालना होगा।



कहां पर हो कैप्टेन? करीब आधा किलोमीटर दूर। मुझे कमांडो हैडक्वार्टर नजर आ रहा है।

तब तो तुम्हारे आने तक शायद कुछ सुबूत हाथ लग ही जाएंगे।

पिंगलिंग
पिंगलिंग
पिंगलिंग

एक मिनट...

फोन बज रहा है! मैं देखता हूं। होल्ड रखना।



यह क्या है? कोई नंबर ही नहीं दिख रहा है।



यह हो क्या रहा है? पहले श्वेता और अब कमांडो फोर्स के साथ-साथ कमांडो हेडक्वार्टर भी!!



करिम!
करिम!! आवाज दो। कहां हो तुम?



करिम!!

कैप्टेन!



हम यहां पर हैं।

तुम बच गए! थैंक गॉड!

गॉड को नहीं, उस कॉलर को थैंक्स दो जिसने हमको ऐन समय पर चेतावनी भेज दी...



और हम 'फर्श' में बने 'ट्रेप जेक' से नीचे बेसमेंट में कूद गए और धमाके से सुरक्षित हो गए!

यह अंदाजा तो मुझे फोन पर तुम्हारी बात सुन कर ही हो गया था! कहां है वह मैसेज?

यह देखो कॉल के साथ में मैसेज भी था!

कहां से आया है यह मैसेज?

यानि... कोई हमें बचाने की कोशिश कर रहा है और उसे दुश्मन की हर हरकत के बारे में भी पता है!

कैप्टेन, इधर आओ! मलबे के नीचे कुछ कैंडेड्स फंसे हुए हैं।

कोई नंबर नहीं था! किसी 'एन-क्रिपटेड लाईन' से भेजा गया लगता है।

कुछ ही पलों बाद-

शुक्र है सिर्फ दो कैंडेट हैं। ये मामूली घायल हैं! एंब्युलेंस निकालो!

एंब्युलेंस हम लेकर आए हैं। इन्हें अस्पताल हम पहुंचा देंगे।

आप लोगों को यह जगह खाली करनी पड़ेगी। हमें यह जगह सील करके धमाके की जांच करनी है।

यह... आप क्या कह रहे हैं, इंस्पेक्टर? हमारे पास कमांडो हेड-क्वार्टर ऑपरेट करने की स्पेशल स्टेट अथॉरिटी है।

पुलिस हेडक्वार्टर्स, राजनगर।



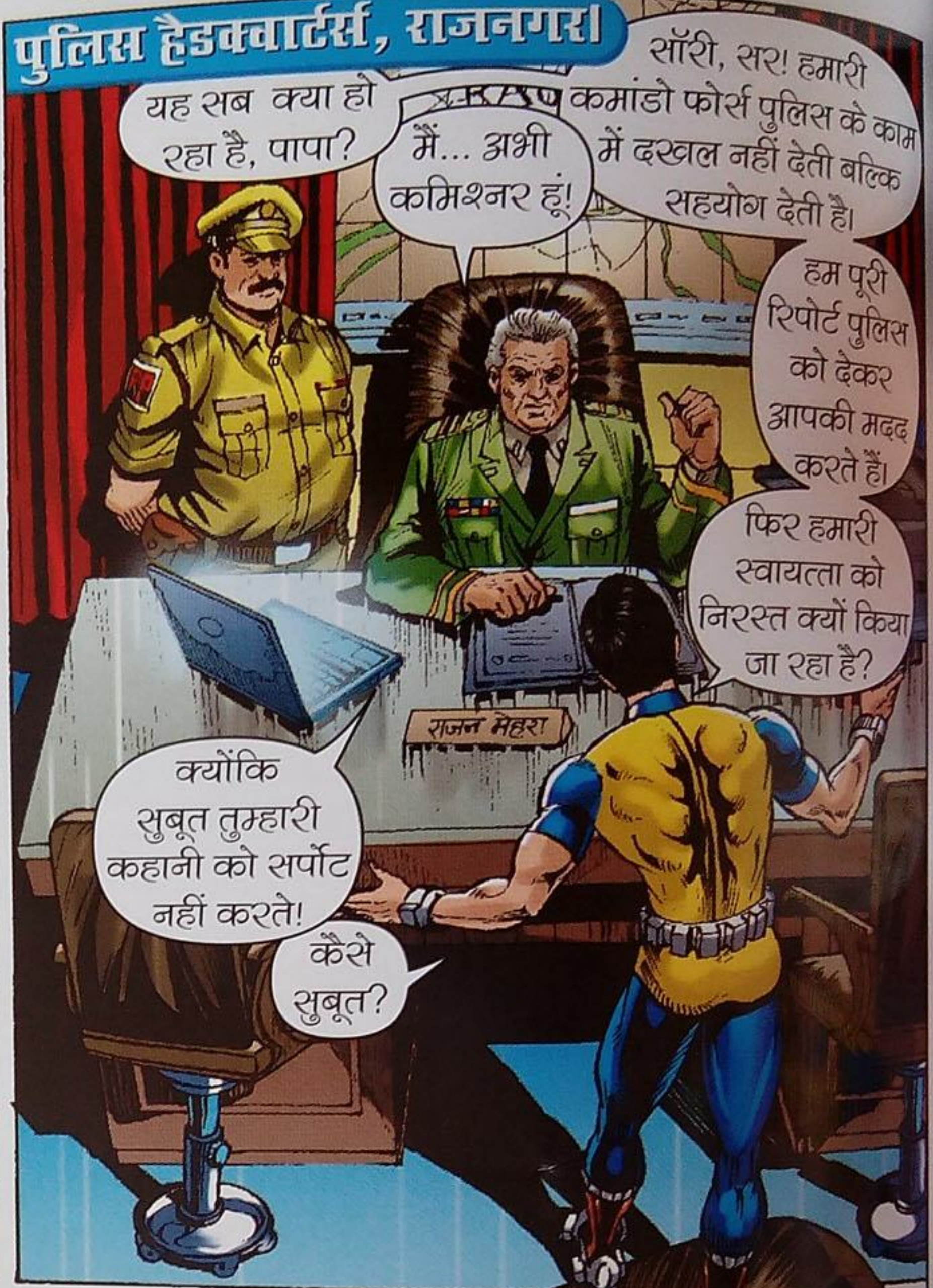
हम अपने मामले की जांच खुद करना चाहते हैं। पर आपको हम पूरी रिपोर्ट जरूर देंगे!

हमें यह आतंकवादी कार्य वाही लगती है।

और ऐसे मामलों में हम ऐसी हर अथॉरिटी को निरस्त कर देते हैं।

हम सिर्फ इतना जानते हैं कि राजनगर के पुलिस कमिश्नर के हाई सिक्योरिटी निवास में उनकी बेटी पर कातिलाना हमला हुआ है।

घटनास्थल पर सिर्फ एक दूसरा शख्स था। तुम!



यह सब क्या हो रहा है, पापा?

मैं... अभी कमिश्नर हूँ!

साँरी, सर! हमारी कमांडो फोर्स पुलिस के काम में दखल नहीं देती बल्कि सहयोग देती है।

हम पूरी रिपोर्ट पुलिस को देकर आपकी मदद करते हैं।

फिर हमारी स्वायत्ता को निरस्त क्यों किया जा रहा है?

क्योंकि सुबूत तुम्हारी कहानी को सपोर्ट नहीं करते!

कैसे सुबूत?





यानि आप...
मुझ पर शक
कर रहे हैं!

फिलहाल हम तुम्हें एकमात्र
गवाह मान रहे हैं।

गवाह!! लेकिन
आपके कहने से लगता है
कि आपको मेरी गवाही
पर शक है।



तुम्हारे
अनुसार तुम्हारे
पास 'चिड़ियों' द्वारा
मैसेज आया, चंडिका
की किसी के साथ
लड़ाई होने के
बारे में!

इसकी हम
न तो चिड़ियों से पुष्टि कर
सकते हैं, और ना ही चंडिका
का पता है हमारे पास!

श्वेता होश
में आते ही इसकी
पुष्टि कर देगी।



इसीलिए तब तक हम तुम पर कोई
आरोप भी नहीं लगा रहे हैं। न चंडिका
का पता है, न हमलावर की किसी भी
C.C.T.V. में कोई तस्वीर!

फिर तुम्हारे
अनुसार एक निर्माणा-
धीन ईमारत में तुम्हारी
उसी हमलावर से
झड़प हुई!

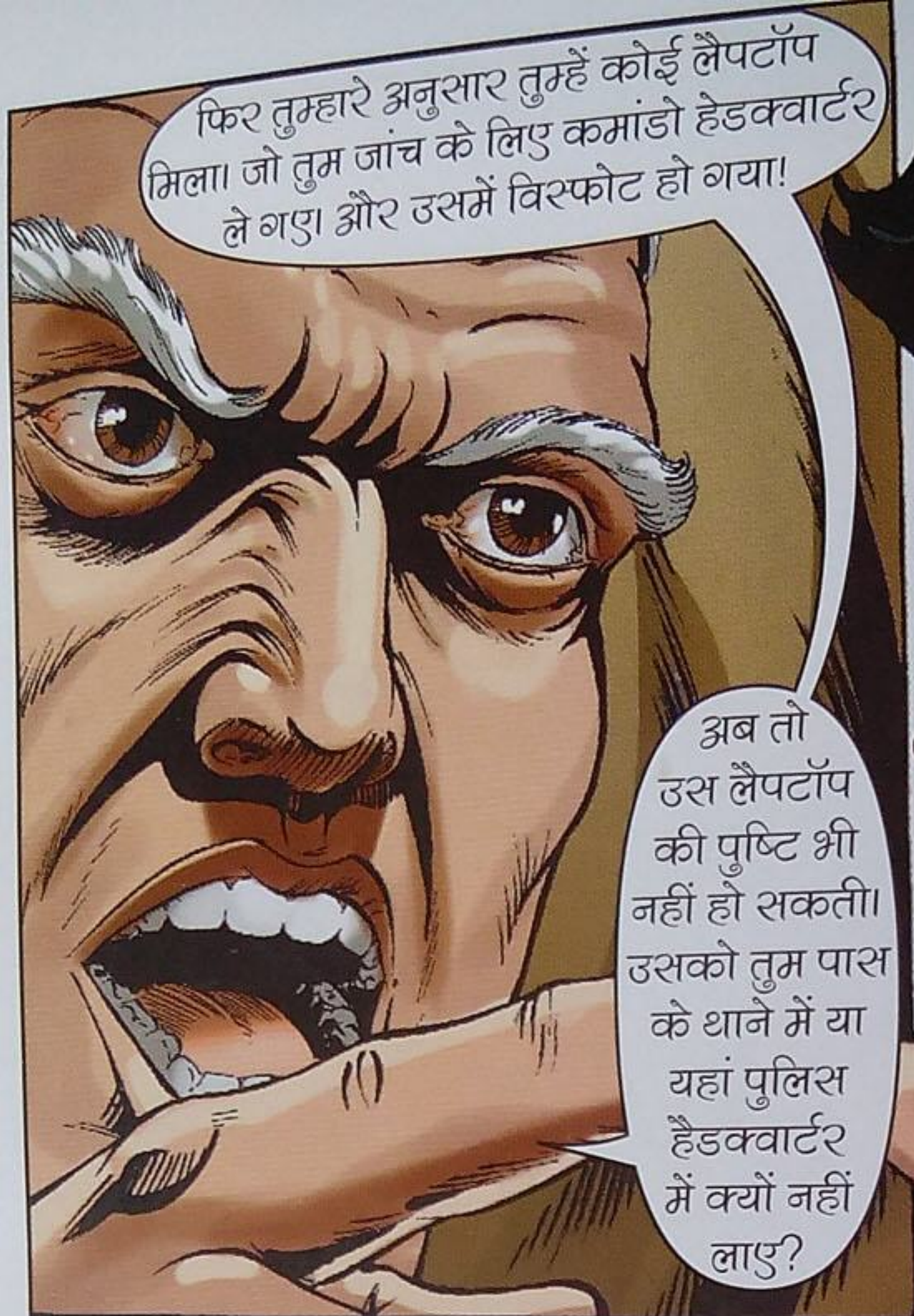


वहां पर
किसी धमाके
की रिपोर्ट तो
मिली है...

...पर वहां
न तो कोई
हमलावर मिला
और ना ही कोई
और सुराग!

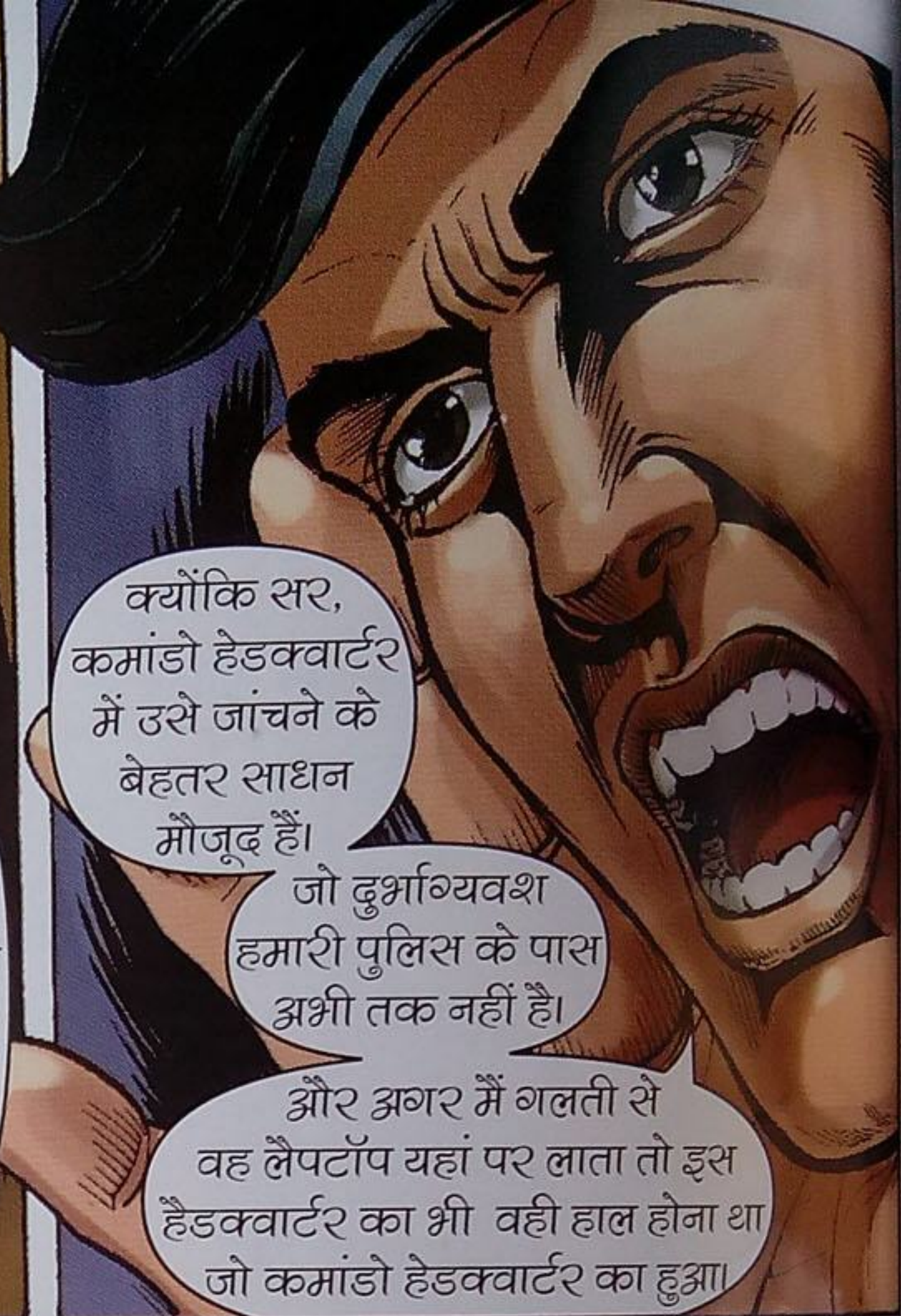
हमलावर के चिथड़े
ही उड़े थे उस शक्तिशाली
विस्फोट में। वहां पर उसके कुछ न
कुछ अवशेष जरूर होंगे! उसकी
गन भी होगी वहां पर।

प्लास्टिक
के कुछ टुकड़े
जरूर मिले हैं। कहना
मुश्किल है कि वह
कोई गन थी।



फिर तुम्हारे अनुसार तुम्हें कोई लैपटॉप मिला। जो तुम जांच के लिए कमांडो हेडक्वार्टर ले गए। और उसमें विस्फोट हो गया!

अब तो उस लैपटॉप की पुष्टि भी नहीं हो सकती। उसको तुम पास के धाने में या यहां पुलिस हेडक्वार्टर में क्यों नहीं लाए?



क्योंकि सर, कमांडो हेडक्वार्टर में उसे जांचने के बेहतर साधन मौजूद हैं।

जो दुर्भाग्यवश हमारी पुलिस के पास अभी तक नहीं है।

और अगर मैं गलती से वह लैपटॉप यहां पर लाता तो इस हेडक्वार्टर का भी वही हाल होना था जो कमांडो हेडक्वार्टर का हुआ।



हम किसी भी बात को कानून के दायरे में ही रहकर देखते हैं।

और कानून कहता है कि ऐसे भयंकर धमाके की जांच पुलिस को ही करनी चाहिए!

अगली रिपोर्ट आने तक कमांडो हेडक्वार्टर बंद रहेगा और पुलिस निगरानी में रहेगा!

नाऊ, इफ यू विल एक्सक्यूज मी...?

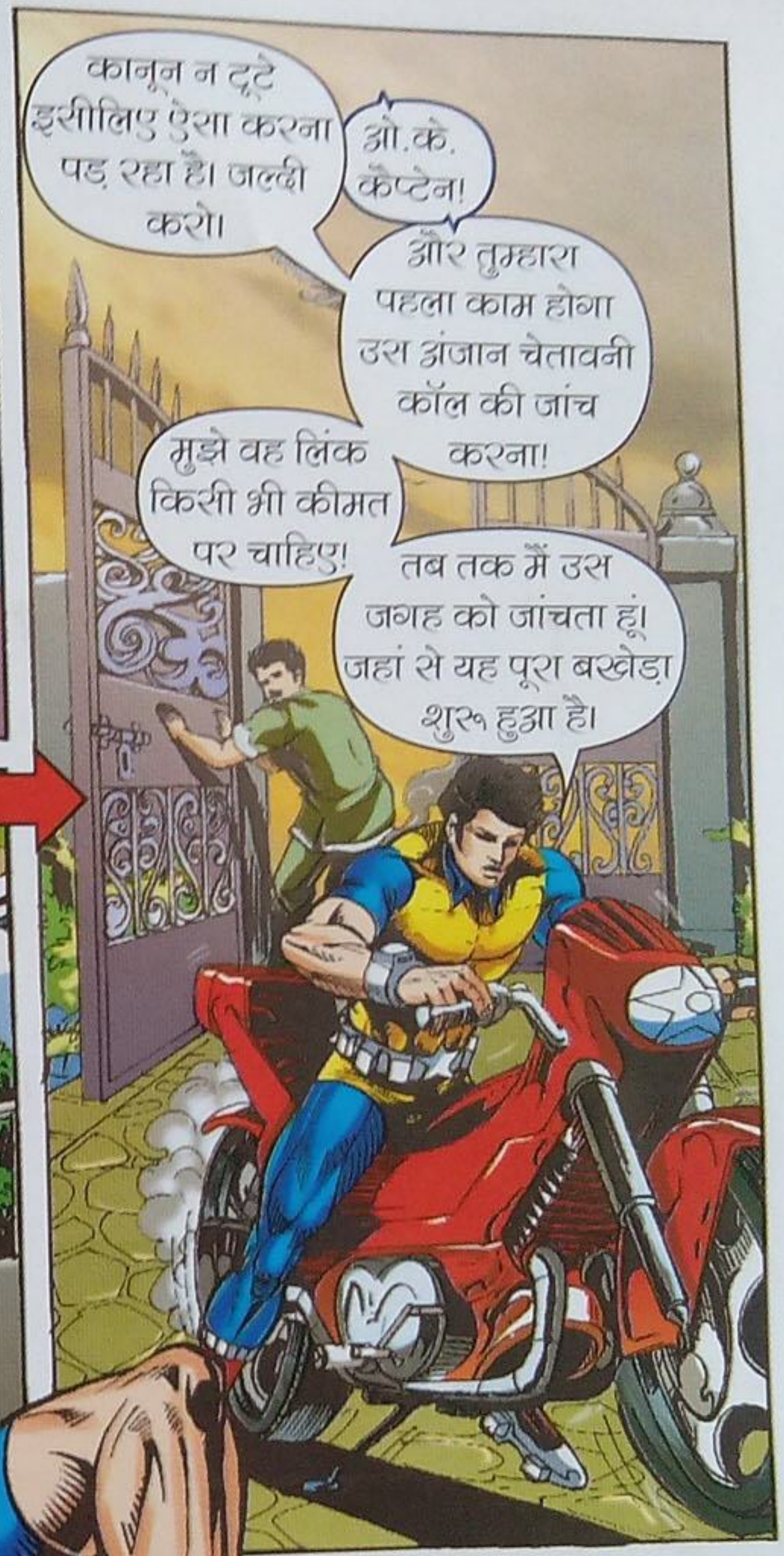


यह पापा
को क्या हो गया
है? पूरे सौ प्रतिशत
कमिशनर बन
गए हैं।

ऑर्डर ऊपर से
आया है। होम मिनीस्ट्री
से! मेहरा सर इसमें
क्या करेंगे?

होम
मिनिस्ट्री!!
यानि मामला
गहरा रहा
है!!

अब तो शुरूआत
करने के लिए एक ही
जगह बचती है।



कानून न टूटे
इसीलिए ऐसा करना
पड़ रहा है। जल्दी
करो।

ओ.के.
कैप्टेन!

और तुम्हारा
पहला काम होगा
उस अंजान चेतावनी
कॉल की जांच
करना!

मुझे वह लिंक
किसी भी कीमत
पर चाहिए!

तब तक मैं उस
जगह को जांचता हूँ।
जहाँ से यह पूरा बखोड़ा
शुरू हुआ है।



करीम!
इससे पहले की
पुलिस वहाँ पर पहुंच
कर सब कुछ सील
कर दे, अपने सभी
ज़रूरी वर्कस्टेशन्स
को लेकर कमांडो
हॉस्टल में शिफ्ट
कर लो!

यह क्या कह रहे
हो, कैप्टेन? यह तो...
कानून को तोड़ने
जैसा होगा।



यहाँ पर ऐसा कोई न कोई सबूत
ज़रूर मिलेगा। ओ... यह क्या?

यह तो शायद... नहीं!
शायद नहीं, यह श्वेता का
ही मोबाइल है।

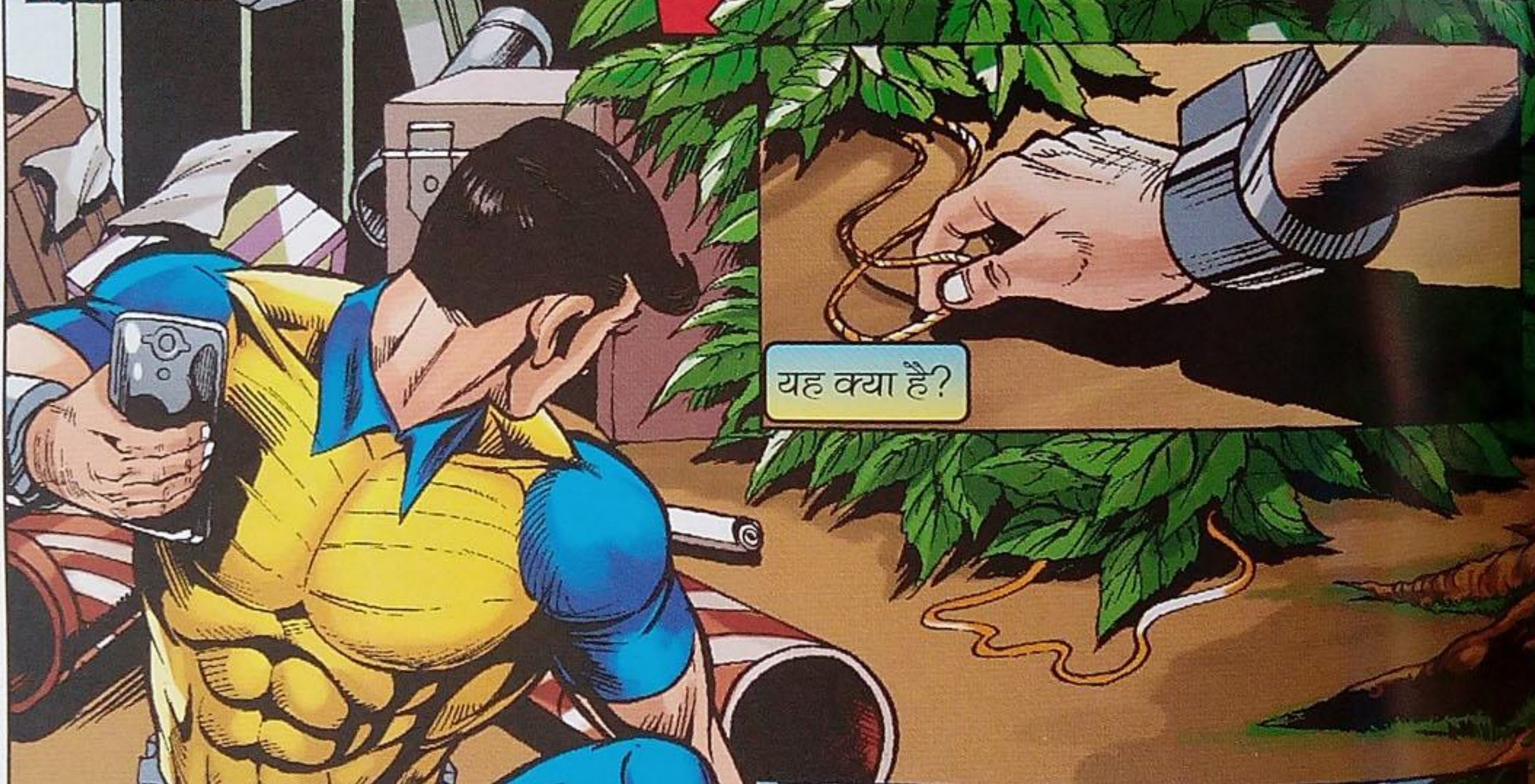


और इस पर भी वैसा ही मैसेज है।



यानि श्वेता को भी एलर्ट आई थी। किसी को उलूक के यहां आने का पहले से ही पता था!

फिर श्वेता ने क्या किया? उसने चंडिका को बुलाया?... या फिर खुद चंडिका बन कर आ गई?



यह क्या है?



यह तो श्वेता का जान से भी प्यारा रिलिंग बैग है जिसे वह हमेशा लादे रहती है।

एक मिनट। श्वेता की हालत से साफ था कि उसके पास वक्त एकदम नहीं था। यानि अगर वह चंडिका से श्वेता बनी होगी तो चंडिका की ड्रेस यहीं कहीं आसपास होगी।

मोबाइल भी इसी में से गिरा होगा। देखूं कि...



...इसके
अंदर और कोई
सुबूत है...

क्या?

वह
चंडिका की
ड्रेस को फोल्डिंग
पर्स बनाकर
रखती थी।



क्या यह बात मैं पापा को बताऊं? नहीं! वे फिर सुबूत मांगेंगे! मुझे श्वेता के होश में आने का इंतजार करना ही होगा!



श्वेता के पास श्री एलर्ट का मैसेज आया था कि उलूक कोई चीज तलाश रहा था।



कहीं यह मैसेज जैकब अंकल ही तो नहीं भेज रहे, किसी गुप्त लिंक से! ताकि दुश्मनों को भनक न लगे।

श्वेता के WHATSAPP पर भी जैकब अंकल का मैसेज है। उनको फोन मिलाता हूं। देखता हूं कि वे हैं कहां?



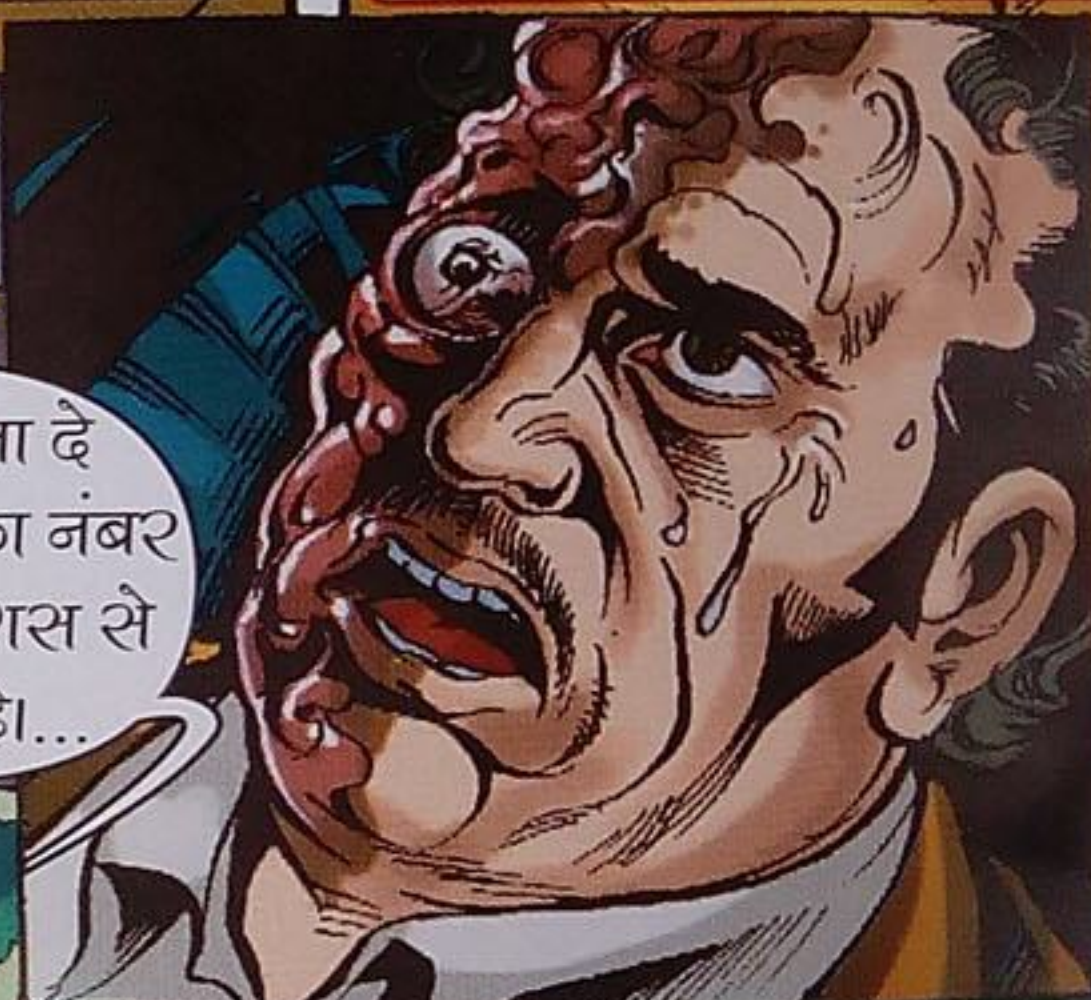
जिस नंबर से आप संपर्क करना चाहते हैं वह अभी बंद है। कृपया थोड़ी देर बाद संपर्क करें।... द नंबर यू वांट टू..

फोन बंद है...

“कहां है अंकल जैकब? फोन चार्ज नहीं रखते क्या?”



अभी भी बता दे उस कंटेनर का नंबर जो तूने मॉरीशस से यहां भेजा है।...



वर्ना मॉरीशस से रोजाना आने वाले रैकडों कंटेनरों में से उसे दूढ़ेगा कौन?

कम्भम्भी

नहीं 555

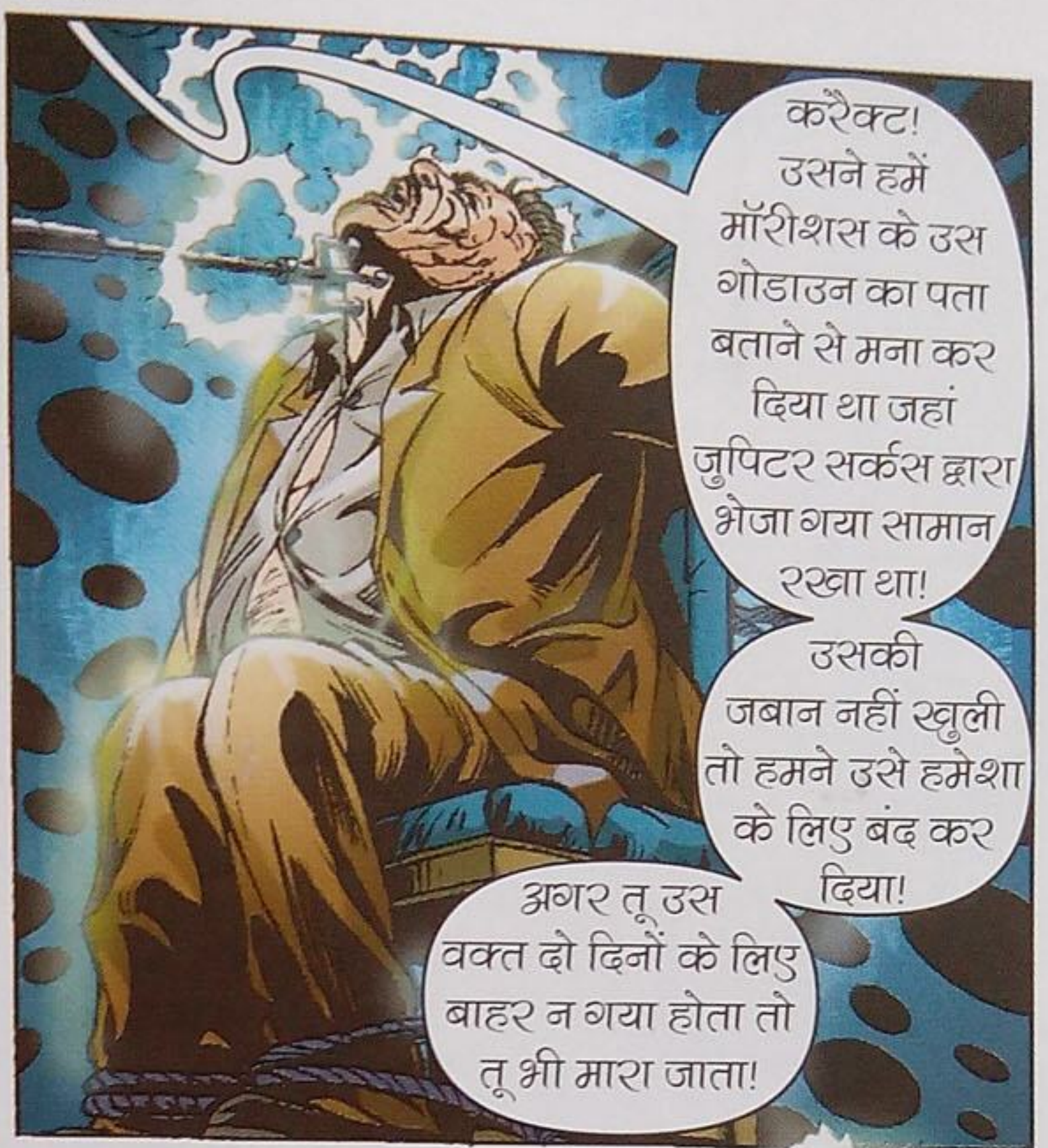
तो तेरी हालत भी तेरे भाई जैसी ही होगी।





भाई जैसी!
मतलब?

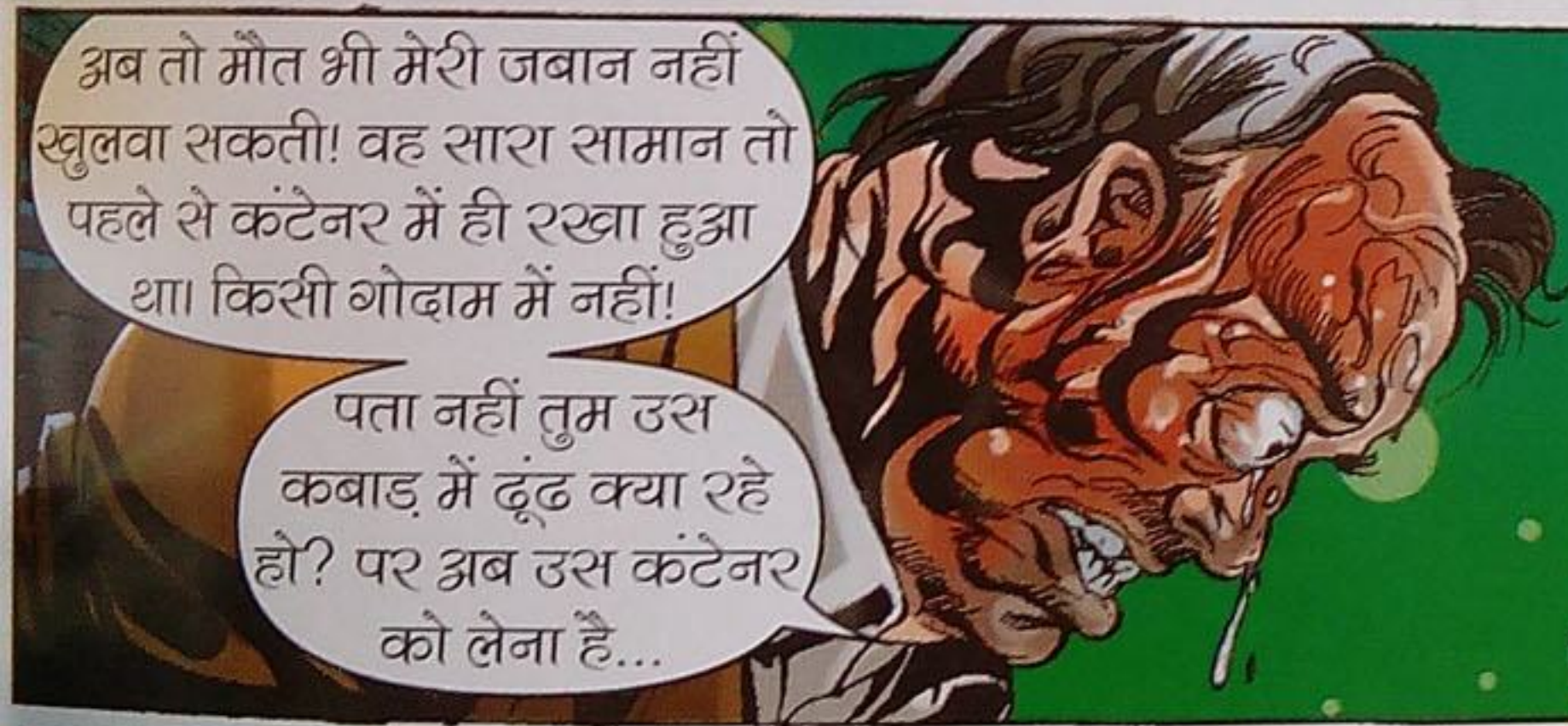
ओह! यानि, वह
मरा नहीं... मारा गया
था। ओफ्!...और वह
भी मेरी वजह से।



करैक्ट!
उसने हमें
मॉरीशस के उस
गोडाउन का पता
बताने से मना कर
दिया था जहां
जुपिटर सर्कस द्वारा
भेजा गया सामान
रखा था!

उसकी
जबान नहीं खुली
तो हमने उसे हमेशा
के लिए बंद कर
दिया!

अगर तू उस
वक्त दो दिनों के लिए
बाहर न गया होता तो
तू भी मारा जाता!



अब तो मौत भी मेरी जबान नहीं
खुलवा सकती! वह सारा सामान तो
पहले से कंटेनर में ही रखा हुआ
था। किसी गोदाम में नहीं!

पता नहीं तुम उस
कबाड़ में ढूँढ क्या रहे
हो? पर अब उस कंटेनर
को लेना है...



"...तो ध्रुव से ही लेना!"



करीम! कैप्टेन
हियर! कुछ पता चला
उस नंबर के लिंक
के बारे में?

नो कैप्टेन! अभी
तो हम लोग सामान शिफ्ट
करने में ही बिजी थे।
क्यों, क्या हुआ?

वैसा ही मैसेज
श्वेता के पास भी आया
था। उलूक की मौजूदगी
के दौरान!



एक मिनट! मैं
तुम्हें बाद में कॉल
करता हूँ।

किसी अंजान नंबर
से कमांडो हेल्पलाइन पर
फोन आ रहा है।

"गोदाम से! 'बमबम डेली' के गोदाम से!"

'बमबम डेली'! यह बी-ग्रेड अखबार तो मशालेदार और सनसनी खोज खबरें छापने के लिए मशहूर है!

कमांडो फोर्स हियर!

म...मुझे बचा लो! मैं... ऐसा फिर नहीं करूंगा!

व्हाट? आप कहां से बोल रहे हैं?

एक न एक दिन तो इन पर मुसीबत आनी ही थी!

यह अखबार ज्यादा बड़ा नहीं है और यह है ऑफिस के पीछे का हिस्सा! शायद इसीलिए यहां एकदम सन्नाटा है।

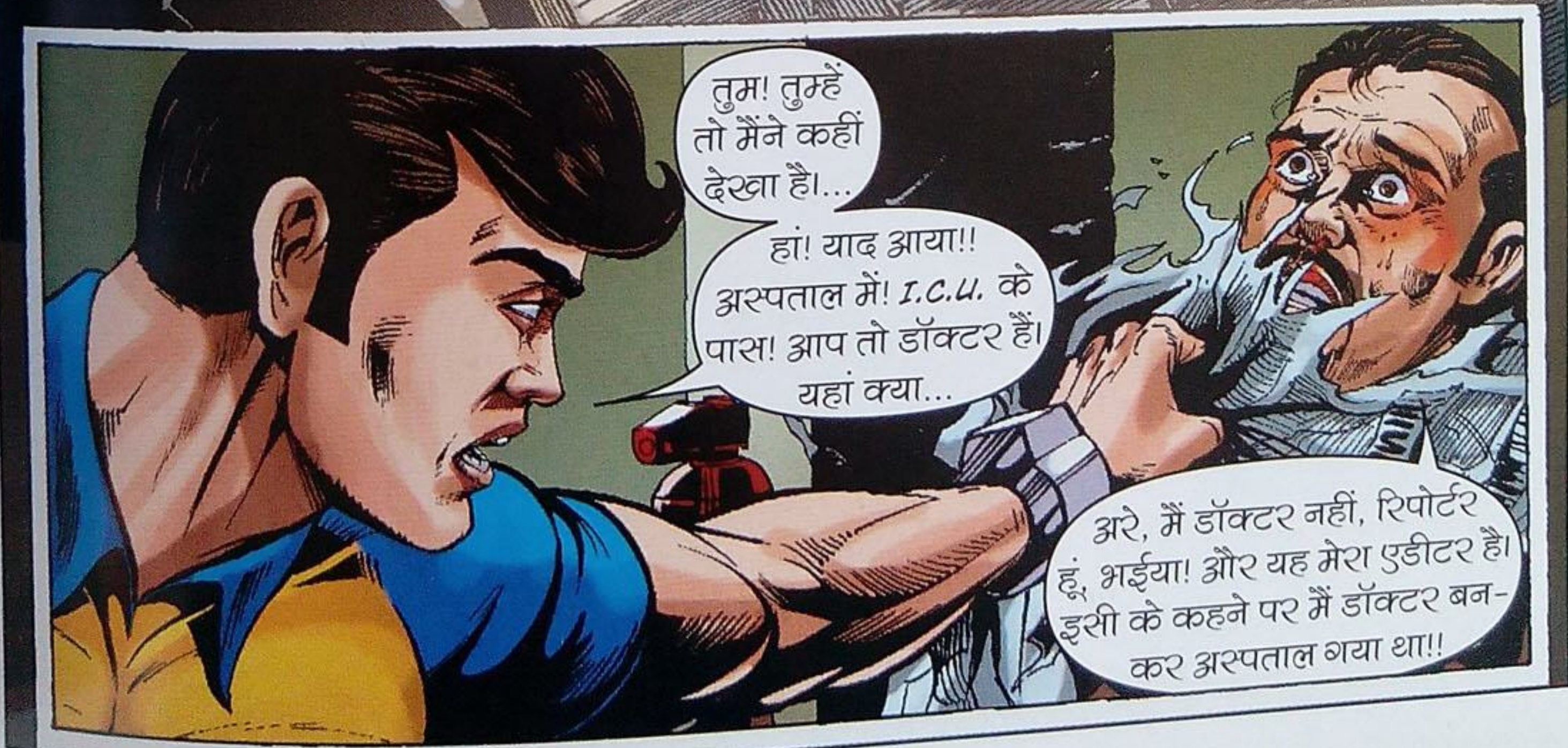
कहीं यह इसी षड्यंत्र का एक हिस्सा तो नहीं है।

BAMBAM[®]
DAILY

लेकिन किसी की जान बचाने की गुहार को नजर अंदाज भी तो नहीं किया जा सकता!

GODOWN
3

य...यह क्या है?



रिपोटर! पर..
तुम इस हालत
में कैसे?

इनका अपराध जानना
चाहते हो? जिन अखबारों के डेरे
पर ये बैठे हुए हैं वह आज का स्पेशल
एडिशन है। जरा एक प्रति को
उठाकर पढ़ो।

यह...मशीनी
आवाज कहां से
आ रही है?

ओ गॉड! इसमें
तो श्वेता के साथ-साथ
मेरी पापा से हुई बातों
का भी जिक्र है।

बोलने वाला
कौन है? क्या कोई
जाल फैलाया गया
है मेरे लिए?

जाल तो
फैलाया गया
है। पेपर उठाकर
पढ़ो! समझ
जाओगे।

कमिशनर की बेटी अस्पताल में, हालत गंभीर

इस हादसे का जिम्मेदार ध्रुव को मानते हुए उसे लताड़ा
है। यहां पर हम आपको याद दिला दें कि कुछ साल पहले
राजनगर में हुए जुपिटर सर्कस हादसे के बाद कमिशनर
राजन और उनकी पत्नी ने ध्रुव को गोद ले लिया था। इस
बात की प्रबल संभावना है कि अब वे शायद ध्रुव से अलग
हो जाएं।

यह सब
तुमने क्यों
छापा?

मैं गया तो था
सिर्फ श्वेता की फोटो खींचने।
पर वॉर्ड से आगे नहीं बढ़ पा रहा
था। तभी आप दोनों की बातें
मुझे सुनाई पड़ीं।

तो मैंने इनको
ही ब्रेकिंग न्यूज बना
दिया। पापी पेट
के लिए!



सिर्फ तेरा
पेट पापी नहीं है।
तू पूरा ही पापी
है!

कलिक



और पाप की
चिता को जलाना
मुझे बचपन से
आता है...

नताशा



भगवान
तुम्हारी आत्माओं
को कभी शांति
न दे।

ईईईई!
यह हमें मार
डालेगी। बचालो!!
हमें बचा लो।

चुप रहो!



अगर इसे तुम्हें
मारना ही होता, तो यह तुम्हें
कमांडो हेल्पलाइन का नंबर
मिलाने तक का वक्त
नहीं देती।



वैसे तुम
इस पचड़े में कैसे
फंस गई?

फूSSS!
मैं रिपोर्टर
भी हूँ डी!

डी?

धुव!
शॉर्ट फॉर्म! नई
लैंग्वेज है!



श्वेता की खबर देने तक तो फिर भी ठीक था। लेकिन घर तोड़ने वाली अफवाहें फैलाना...

हां, तो इन मूर्खों ने सुबह-सुबह मुझे फोन कर दिया, तुम्हारे बारे में कुछ अंतरंग जानकारी लेने को। और मुझे पता चल गया कि ये सस्ती लोक-प्रियता के चक्कर में तथ्यों को मिर्च मसाला लगाकर परोस रहे हैं।

यह सच है, नताशा! हमारे बीच में बहस तो हुई है। तेज बहस!

हमारे मतलब?



मेरे... और पापा के बीच में। अगर रिचा न आई होती तो बात और बढ़...

रिचा!



व...वह तुम्हारी बीमार दोस्त! वह वहां क्या कर रही थी?

वह श्वेता की भी दोस्त है। उसे देखने आई थी। खैर, छोड़ो उसे!

इन्हें जाने दो और पेपर भी डिस्ट्रिब्यूट होने दो!

एक मिनट! इन्हें श्वेता के घायल होने की खबर दी किसने?



तुलिक

कोई और रिपोर्टर तो वहां नहीं पहुंचा!

हम..हमारे पास फोन आया था! तो.. मैंने..अपने रिपोर्टर को...

फोन!! मैं शर्त लगाकर कह सकती हूं कि यह काम रिचा बीमार का ही होगा!





बाय,
नाशुकरे!

हुम्म! नताशा का ऐसे एकाएक
आ टपकना क्या सिर्फ संयोग है?

वैसे मुझे लगा कि वह कुछ चौंक
रही थी। कहीं एलर्ट मैसेज भेजने
वाला शख्स नताशा ही तो नहीं।
उसके पास दोनों नंबर भी हैं!!



फिलहाल तो मेरे
पास करीम के फीडबैक
के अलावा और कोई
रास्ता नहीं बचा है।

अगर वह कुछ
बता सका तो ठीक
वरना इंतजार ही
करना होगा।



वह एलर्ट वाला मैसेज
नेट से भेजा गया था, कैप्टेन!
सर्वर का एड्रेस तो पता ही नहीं
चल रहा है, लेकिन लोकेशन
इंडिया की ही है!...

पिन प्वाइंट
करने में टाईम
लगेगा!

हुम्म! और
कुछ?

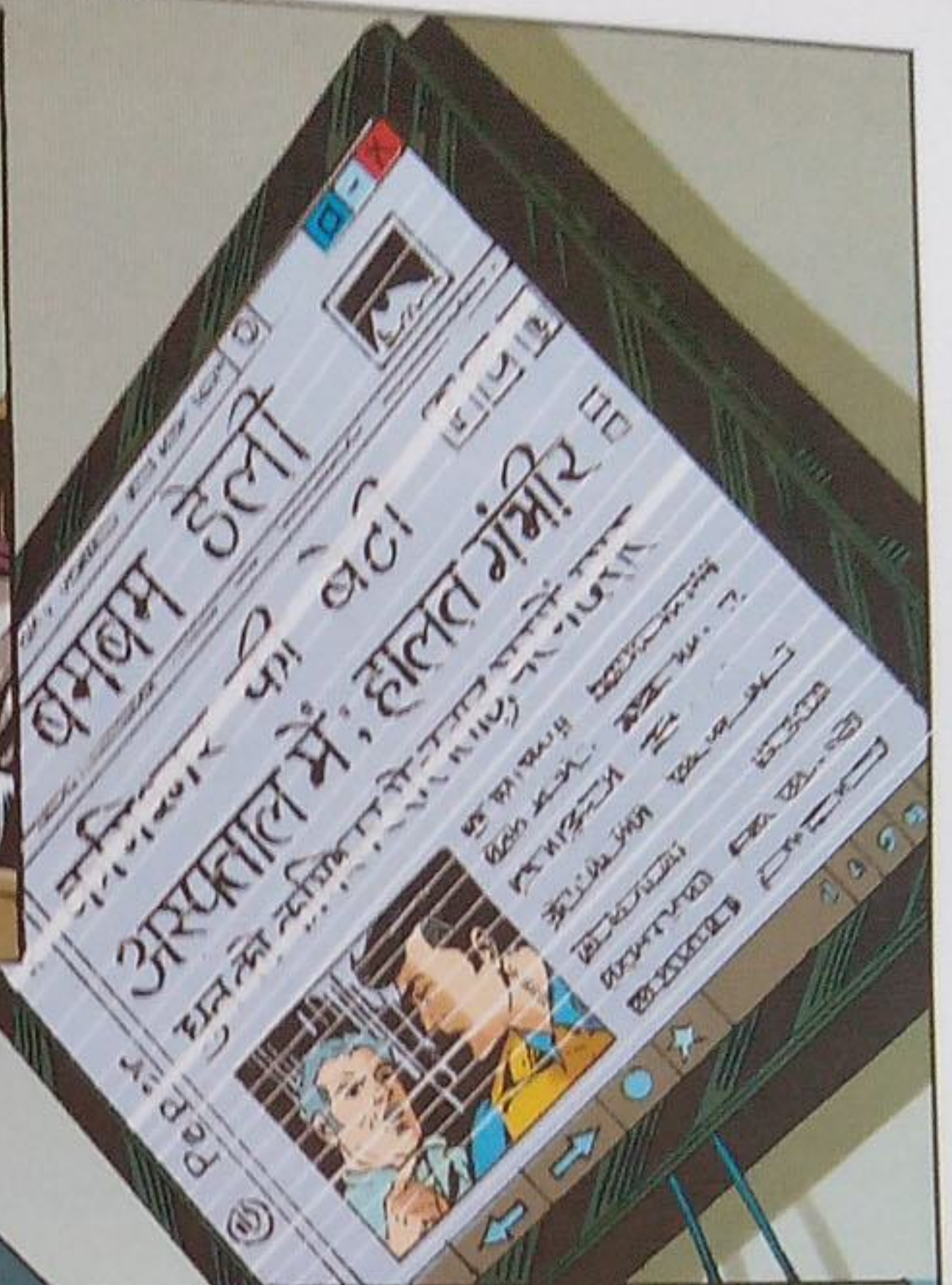
हां! अंकल जैकब
के फोन की लास्ट लोकेशन
मॉरीशस की है। उसके बाद
से फोन बंद है।



अंकल
जैकब! यश! हमारे
पास एक लीड तो
है, करीमा

कौन सी
लीड?

...कंटेनर
की!...



"...जो जैकब
अंकल ने मॉरीशस
से भेजा है।"

श्वेता का अब
क्या करना है? कोई
दूसरा ऑपरेटिव
भेजें?



अगर उसे
मारने से ध्रुव पर पीछे
हटने का प्रेशर पड़ता
तो हम जरूर मार
देते उसे!

पर अब
स्थिति बदल गई है!
ध्रुव अपने परिवार
से नाखुश है!

अब लगता
नहीं है कि उसके
परिवार को मारने की
धमकी देकर हम उसे
रास्ते से हटा
सकते हैं।

अब बस एक
आखिरी रास्ता है,
ध्रुव से पहले उस
कंटेनर तक
पहुंचना!

काश, यह
जैकब हमारे हाथ
लग जाता तो...



उस कंटेनर के
बारे में ध्रुव को जरूर पता
होगा कंटेनर उसी के नाम
से भेजा गया है!

ध्रुव के पास हर इंफॉर्मेशन या कॉल उसके कमांडो हेडक्वार्टर के जरिए आती है।

मैंने वहां का पूरा डाटा चैक कर लिया है। जैकब की कोई कॉल या मैसेज उनके पास नहीं आया था।

वह कंटेनर की तलाश में राजनगरपोर्ट जरूर जाएगा। कंटेनर छुड़ाएगा वह पर लाएंगे हम!

मेरी मानो तो इस मामले के लिए...

पर अगर कंटेनर ध्रुव को लेना है तो उसकी रसीद या कोई और नंबर ध्रुव के पास होगा ही होगा!

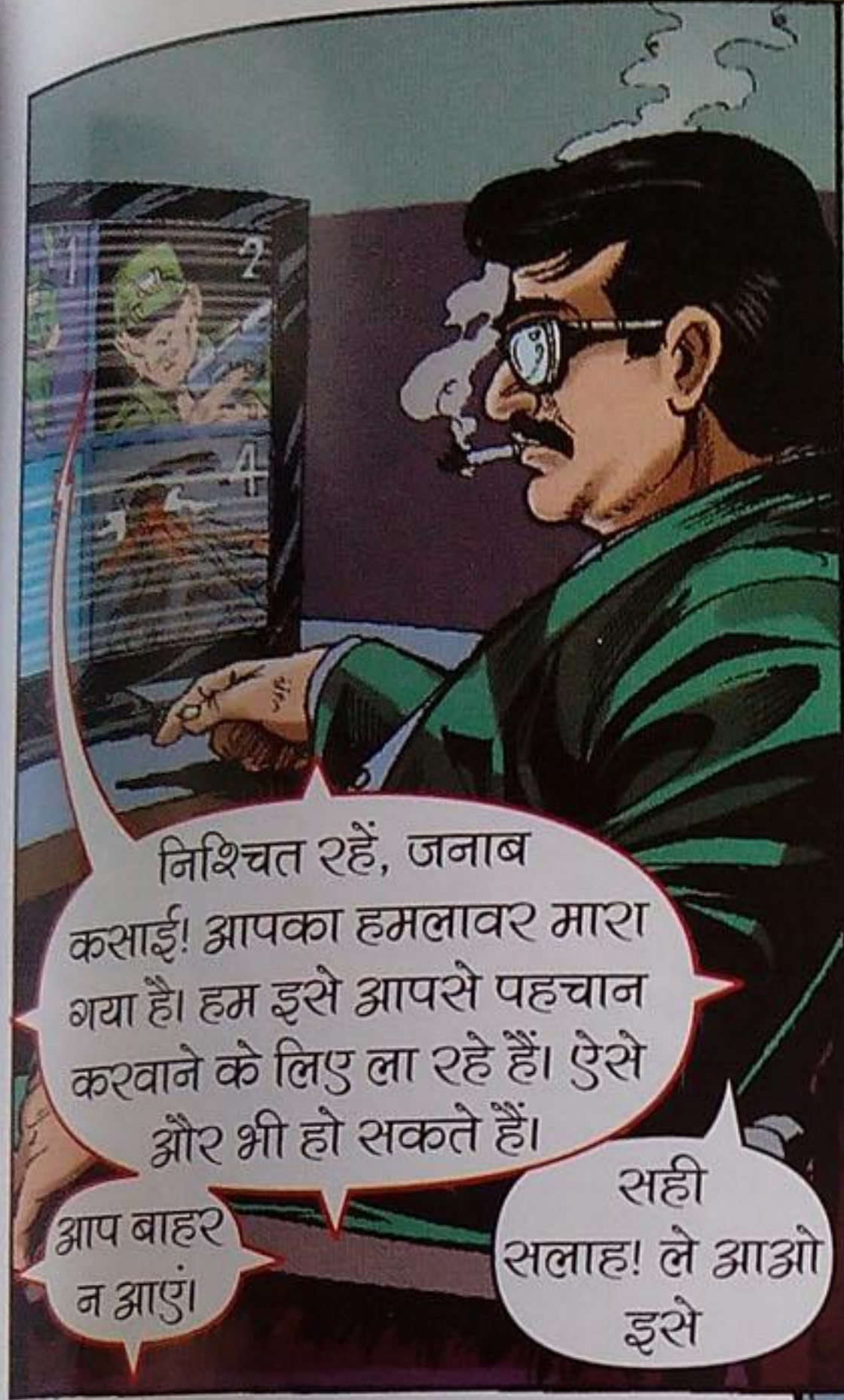
ध्रुव पर नजर रखो!

"...गिलीगिली को कराची ऑपरेशन से वापिस बुला लो!"

तेरी कसम जरूर पूरी होगी गिलीगिली!

तू अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी ताबूत तक पहुंचेगा जरूर, तू जानता नहीं था क्या कि वह I.S.I. की सुरक्षा में है? लेकिन लाश बनकर!

तू जानता नहीं था क्या कि वह I.S.I. की सुरक्षा में है?



निश्चित रहें, जनाब कसाई! आपका हमलावर मारा गया है। हम इसे आपसे पहचान करवाने के लिए ला रहे हैं। ऐसे और भी हो सकते हैं।

आप बाहर न आएं।

सही सलाह! ले आओ इसे

गिलीगिली नाम बता रहा था अपना! पर यह अकेला इंसान नहीं कयामत था, जनाब! न जाने क्या करता था कि हमारे सैनिक या तो जड़ से खड़े रह जाते थे, या एक दूसरे को ही गोली मार देते थे।



ठीक है! इसे ले जाओ और इसकी पहचान कराओ!



लाओ, लाओ! इसे जरूर उस देश की खुफिया एजेंसी ने भेजा होगा जहां पर मैंने सीरियल ब्लास्ट कराए थे। कोई और भी था इसके साथ?

नहीं, जनाब! मुकम्मल तलाशी ली जा चुकी है।

हैरत है! एक अकेले आदमी से इतनी उम्मीद लगाकर बैठा था हमारा दुश्मन मुल्क?

पर यह है कौन? गोलियां मार-मारकर इसका थोबड़ा ही गायब कर दिया है तुमने?



इसे ले जाओ, भाइयों। और ओ... फोन आ गया। तुम लोग चलो, मैं आता हूं।



ऑपरेटिव 284 हियर!
बोलो दीवान जी!... नहीं! मैं अभी आ
नहीं सकता। ऑपरेशन पूरा होने वाला
है। पांच मिनट और लगेगे। फिर आधे
घंटे में वहां पहुंच जाऊंगा!

गिलीगिली
साइनिंग आऊट!

गिलीगिली तुम
गिलीगिली बनकर
क्यों बात कर रहे थे?
क्या यह गिलीगिली
का फोन है?

उसके
मालिक का पता
लगाना चाहते
हो तुम?

इतने
सवाल?

...पर जवाब
सिर्फ एक है! गिलीगिली
हम खुद हैं। मरने वाला
तो तुम्हारा एक *I.S.I.*
एजेंट था!

आंखें मत
फाड़ो! यह कपड़े
बदलने का एकट तो
कोई भी *QUICK CHANGE*
ARTIST कर लेता है। यू-
ट्यूब पर ढेरों वीडियो
पड़े हैं ऐसे!

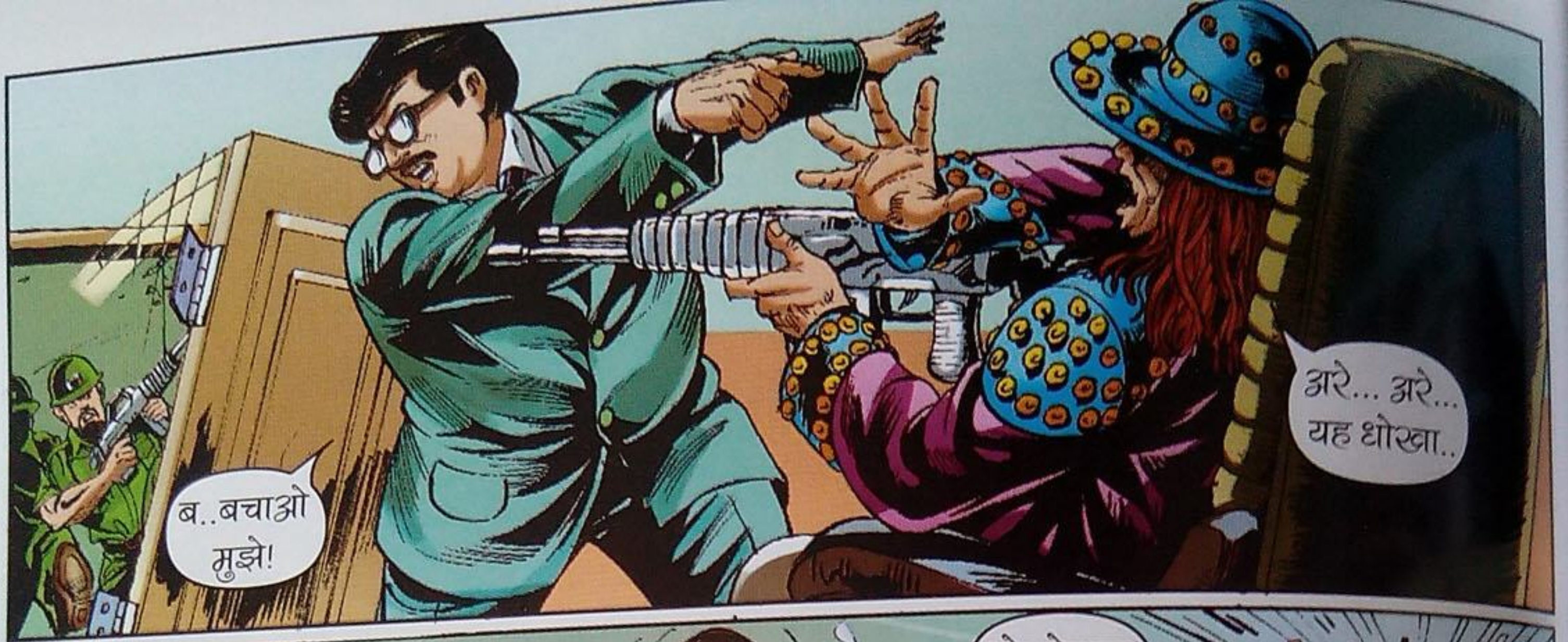
अब तुम तक
पहुंचने के लिए कितने
निर्दोष *I.S.I.* वालों की
जान लेता मैं? यह रास्ता
मुझे बेस्ट लगा!!

पर...पर तुम मुझे
मारना क्यों चाहते हो? इंडिया
वालों ने भोजा है तुम्हें? तुम्हें...
तुम्हें जो भी मिलने वाला है, उस...
उसका डबल दूंगा मैं!

तू...समझा
नहीं! भूल गया हमें!
याद दिलाता हूं!

हम..
'हंटर' हैं!







गिलीगिली का
मैसेज तो आया था कि
कराची तट से वह पांच
मिनटों में यहां पहुंच
जाएगा!

पर यहां तो
दूर-दूर तक कोई बोट
तो छोड़ो, चिड़िया तक नजर
नहीं आ रही है।



क्योंकि
चिड़िया शिप में
आ चुकी है।

गिलीगिली!!

यार, तुम एक दिन
हार्ट अटैक करवाओगे।
यह तुम करते कैसे हो?



प्लानिंग और
हिप्नोटिज्म! और बन
गए तुम गिलीगिली!
आसान है न?



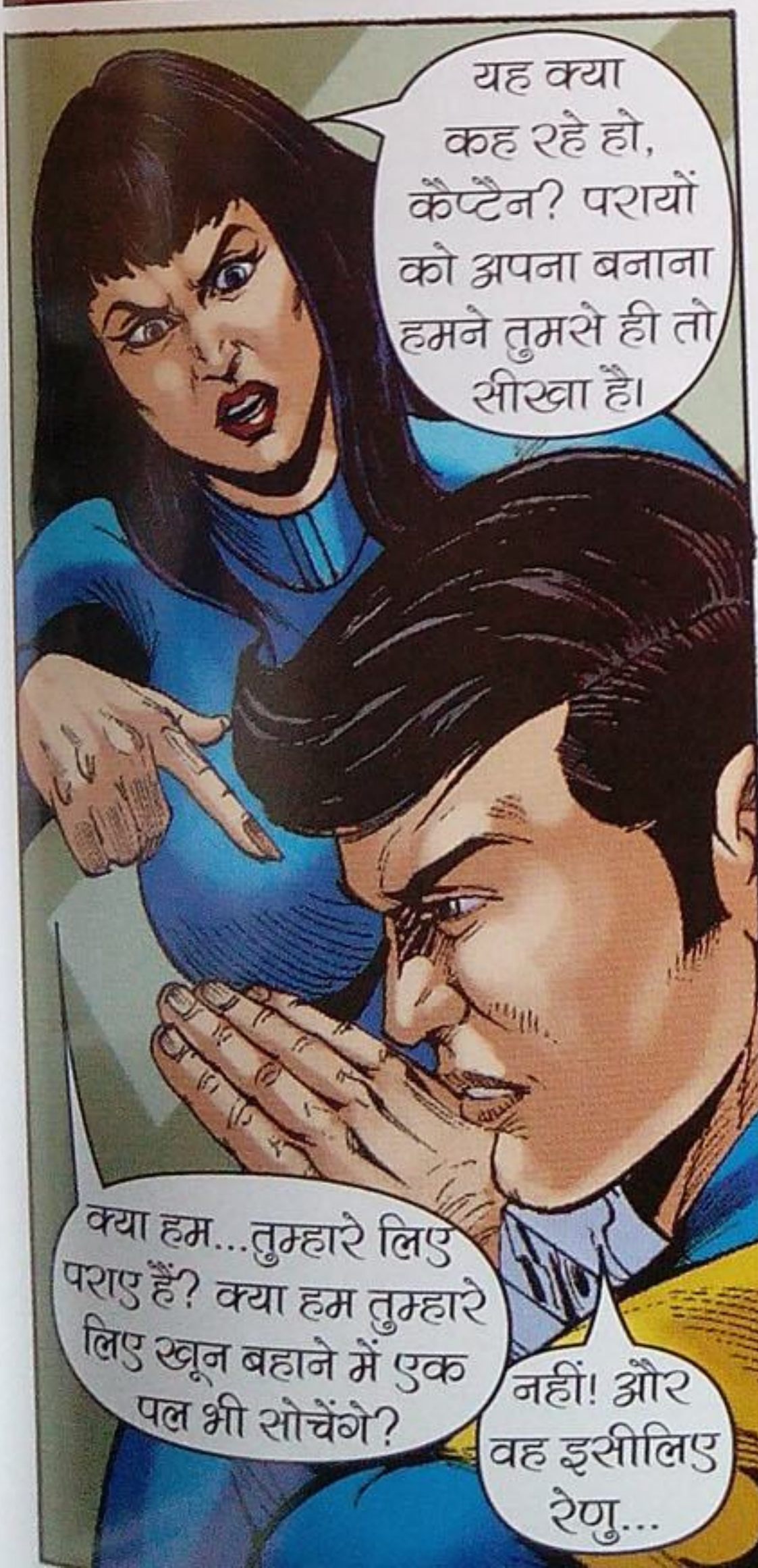
“एकदम! अब चलो! लेट हुए तो
कोई जादू काम नहीं आएगा। दीवान
पर ऊपर से तगड़ा प्रेशर है!”

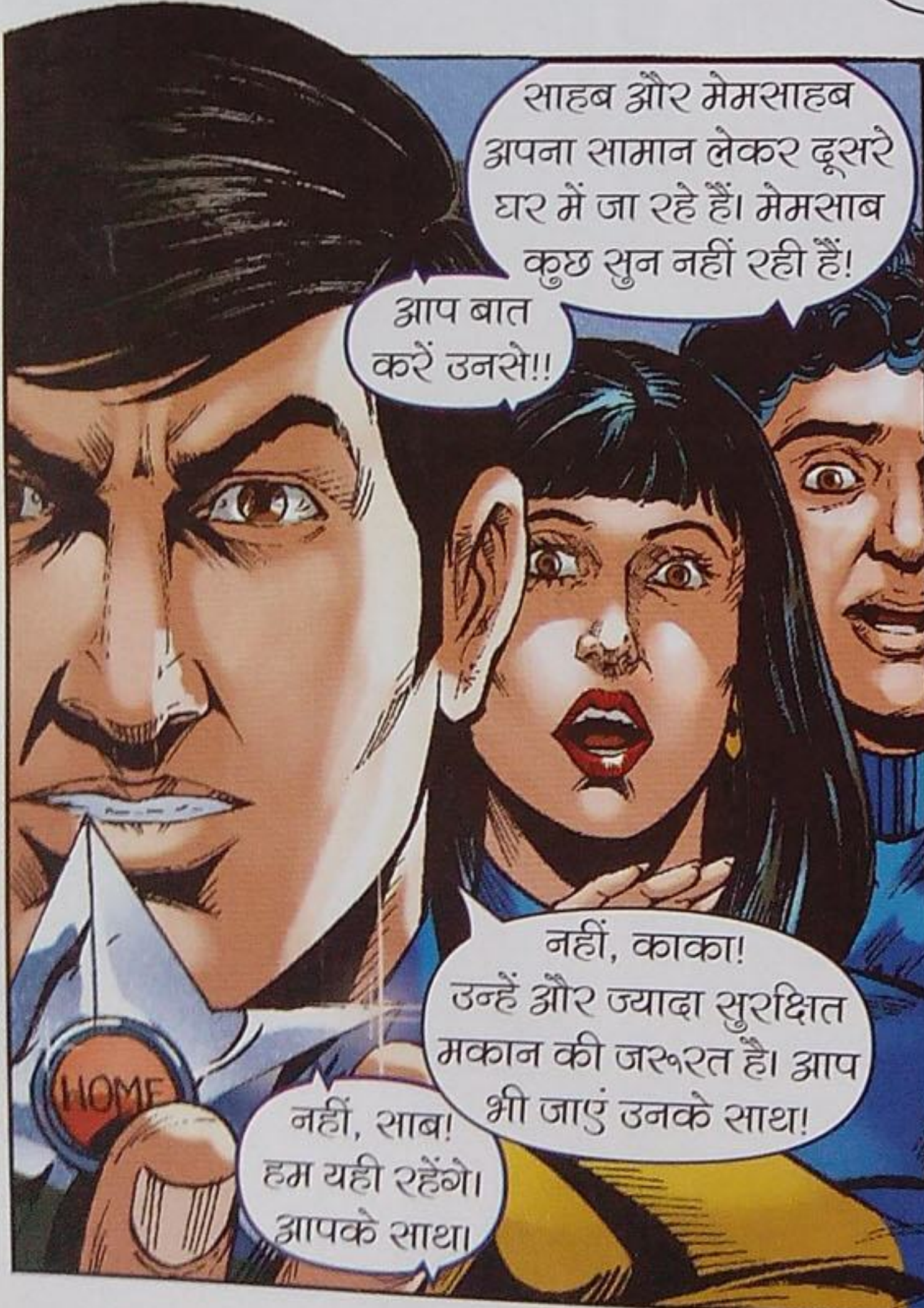
कैप्टेन! जल्दी
आओ। कॉमन
हॉल में।

हो क्या
गया?

न्यूज में श्वेता
का हेल्थ बुलेटिन
आ रहा है।







उन्होंने कुछ
सोचकर ही ऐसा निर्णय
लिया होगा, पीटर!

पर...

ऊंहु! चलो अब
यह टी.वी. सीरियल
बंद करो।

मैं कंटेनर
का पता करने के
लिए राजनगर डॉक
यार्ड जा रहा हूं।

वो...अ...श्वेता
का मोबाइल मुझे दे
दो। मैं उसे श्वेता तक
पहुंचाने के लिए रिचा
को दे दूंगा।

पर इंसान का
दिल कमबख्त ना
जाने किस चीज
का बना होता है।
दूटता हजार
टुकड़ों में है पर
नजर नहीं आता।

लोहा भी जंग खा कर कतरा-
कतरा होकर बिखर जाता है। पत्थर
भी धूल बन कर हवा में उड़ जाता है।

राजनगर डॉक यार्ड में वैसे तो सुरक्षा सख्त रहती थी लेकिन उस बाईक
को कोई नहीं रोक सकता था। क्योंकि वह बाईक खुद सुरक्षा थी।

'कंटेनर कंट्रोलर
ऑफिस' किस तरफ
है, भाई?

धुव
साहब!

आप सीधे जाइए
और दूसरी क्रैन से बांए
मुड़ जाइएगा!

CHECK POINT
DOCK YARD
RAJNAGAR PORT



“कंटेनर कंट्रोलर ऑफिस’
एकदम सामने है!”



जी, क्या
में अंदर आ
सकता हूं?

नहीं तो क्या वहीं
खड़े रहकर दूसरों का
रास्ता रोकना है?

जी, मेरे
नाम का एक
कंटेनर आया होगा
मॉरिशस से।



ओबामा हो
क्या?

अपना नाम बोलो
और फिर रसीद का
ट्रांजेक्शन नंबर।



जी नाम
है ध्रुव!
सुपर...



**सुपर कमांडो
ध्रुव!!**

अरे! आ...
आप यहां कैसे?
सॉरी जी।

पहले बैठो
जी आप! क्या
लेंगे बताएं?

कंटेनर!

नंबर बोलें,
जी! फटाफट
बताता हूं।





रसीद नंबर
बताइए!

नंबर सैं
मोबाइल में!
म्हारे को
पढ़ना कठे
आवै है?



तू पढ़्या-लिख्या लगता है,
छोरे! पढ़ के बता दे नंबर इस
कामचोर ने।
लाइए!



ओह! य...यह
क्या? आंखें चौंधिया
गईं। तेज दर्द भी हो
रहा है।

यह लेजर
ब्लास्ट था,
बच्चे!



तेरा पीछा करते-करते
ही हम आए थे, ध्रुव! सोचा था
तेरे पीछे ही हम कंटेनर तक पहुंच
जाएंगे। पर इस क्लर्क ने खेल
बिगाड़ दिया!

अब या तो
यह मरेगा या हमें
कंटेनर तक लेकर
जाएगा!

नं...नंबर
पता हो तो
बताऊं!



अभी तो बड़ा
गांधी जी का भक्त
बना फिर रहा था! ले..
दस गांधी ले और
बक!

मामला टेढ़ा
लगता है। मैं न लेता
पैसे, न बताता! नौकरी
प्यारी है मुझे।
और
जान?



तू देखना
चाहता है कि हम
किस हद तक जा
सकते हैं?

उड़ा दे इस
हीरो की खोपड़ी,
जरया!



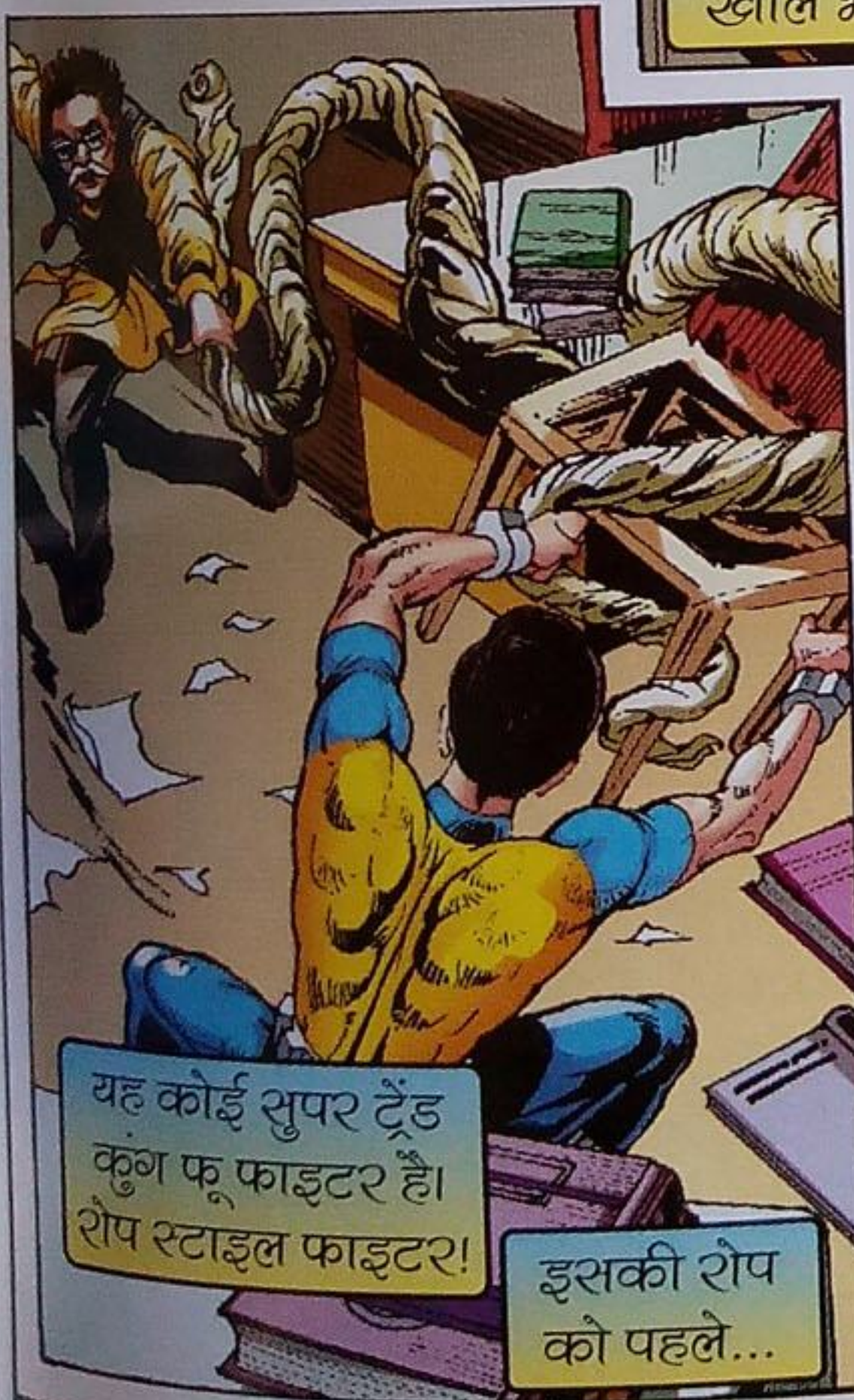








आहह! इसमें तो गजब की फुर्ती है। मेरा किक एक्शन पूरा होने से पहले ही पगड़ी खोल भी ली और इस्तेमाल भी करली!



यह कोई सुपर टैंड कूंग फू फाइटर है। रौप स्टाइल फाइटर!

इसकी रौप को पहले...



...निष्क्रिय करना होगा!



आह!



ऐसे हवा
में पगड़ी उछाल कर
अपनी ईज्जत कम
मत करा।

मर तो तू
शर्म से! कुछ तो
ढंग सीख ले।

तैयार
हो जा मरने
को!



वैसे मुझे शक
है कि तुझे ईज्जत
का मतलब पता
होगा!

मुझे सिर्फ
अपने काम से
मतलब है।





आऽह! य...यह तो किसी चीज से रुक ही नहीं रहा है। और इसकी पगड़ी के वारों की तीव्रता बढ़ती ही जा रही है...

क्योंकि हर बार के साथ इसकी पगड़ी की ऍठ बढ़ती जा रही है और यह पगड़-रस्सी और कड़ी हो रही है।

इसकी ऍठ ढीली हो जाए तो...

अगर मैं इसकी पगड़ी को उलटा घुमा कर खोल सकूँ तो बात बन जाए।



लेकिन उलटा घुमाऊं कैसे?



यह मुझे इतना समय तो देगा नहीं...

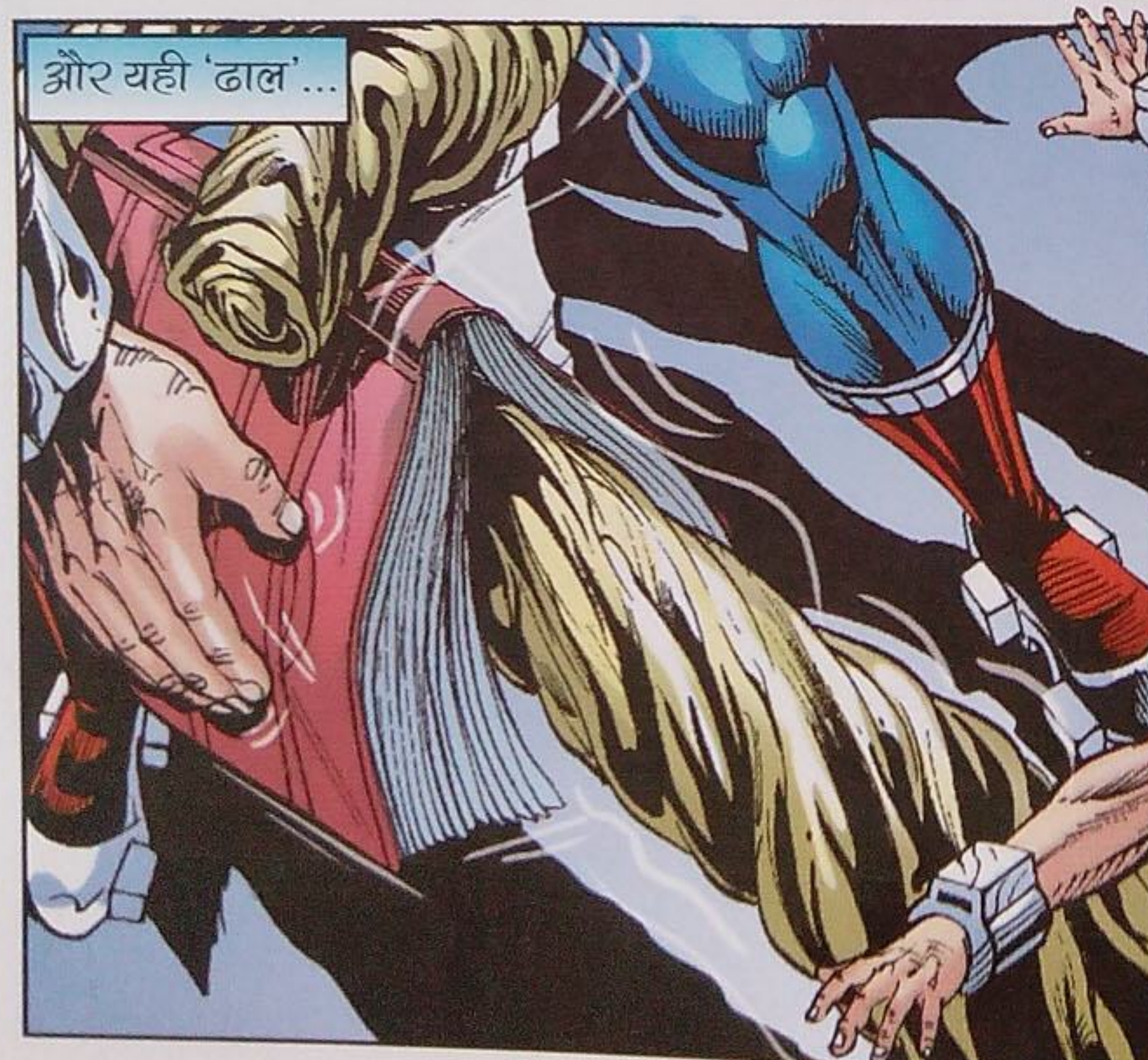
ऊपर देखो.. ऊपर!



गुड! थैंक्स!!



अबकी बार पगड़ी ध्रुव की तरफ लपकी तो ध्रुव के हाथ में एक ढाल थी।



और यही 'ढाल'...



...उसका हथियार भी थी।





थैंक्स! तुम्हें पंखे का ध्यान कैसे आया?

अरे! तुमने मेरी गर्दन भी तो पंखे की मदद से ही बचाई थी।

ठीक है। मैं चलता हूं। रसीद मिल गई तो जल्दी वापस आऊंगा।

तुम गार्ड्स को बुला लो!

अरे, रुको! इन्होंने तुम्हारी किक खाई है, कम से कम दो घंटे तो बेहोश रहेंगे।

चलो, मैं तुम्हें तुम्हारा कंटेनर दिखाता हूँ।



पर, आप तो रसीद...

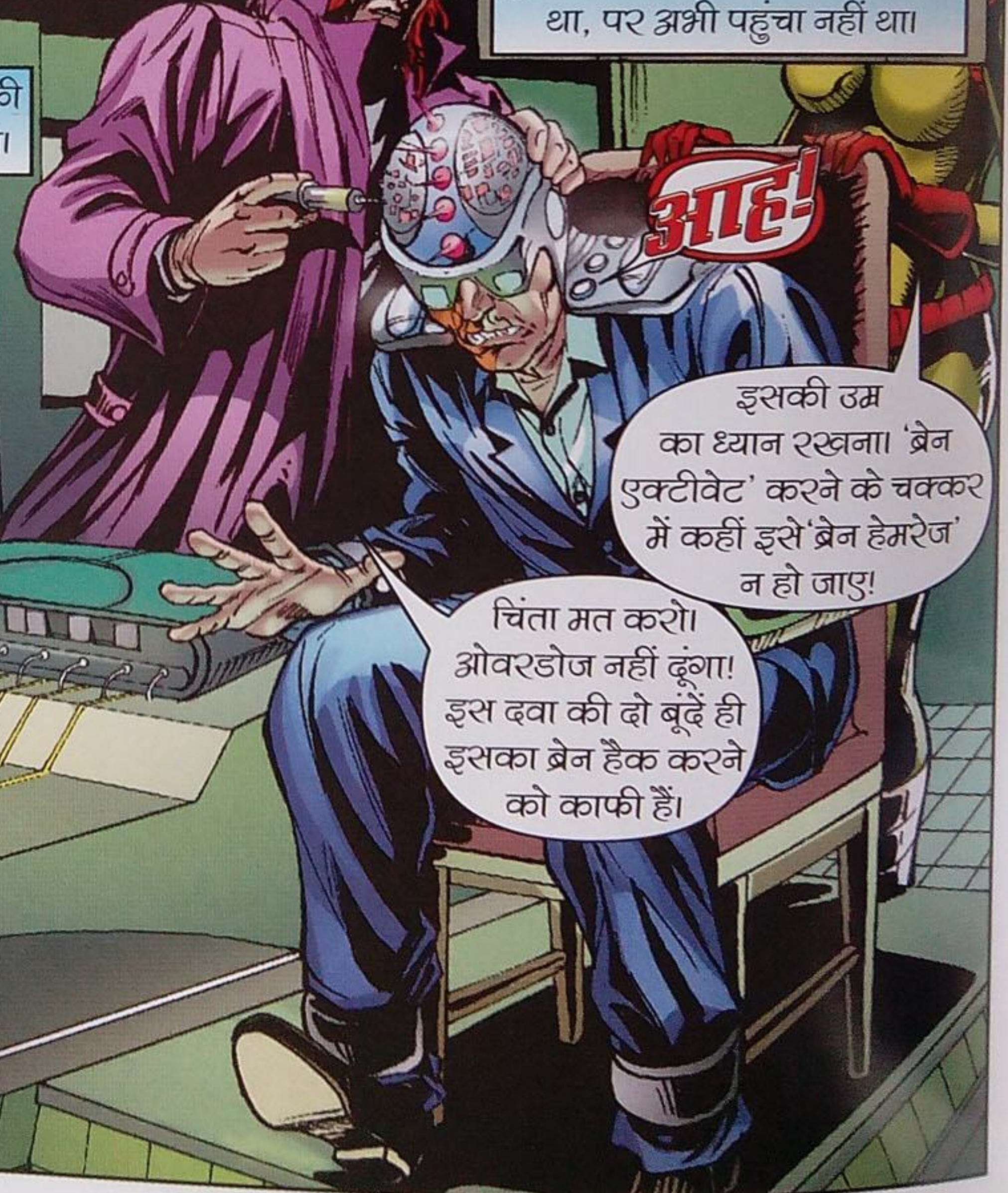
अरे, छोड़ो! जान बचाई है तुमने हमारी!

और जान बचाने का इतना सा शुक्रिया तो अदा करना बनता ही है! क्यों?

ध्रुव कंटेनर की तरफ चल तो दिया था, पर अभी पहुंचा नहीं था।

कंटेनर तक पहुंचने की रैस अभी भी जारी थी।

READY
FOR
MEMORY SCAN



आह!

इसकी उम्र का ध्यान रखना। 'ब्रेन एक्टिवेट' करने के चक्कर में कहीं इसे 'ब्रेन हेमरेज' न हो जाए!

चिंता मत करो। ओवरडोज नहीं दूंगा! इस दवा की दो बूंदें ही इसका ब्रेन हैक करने को काफी हैं।



इंजेक्शन जैकब की त्वचा में घुसा।



और उसका 'मेमोरी बॉक्स' अनलॉक होने लगा!

SESSION BEGINS...

देखो! सीरम काम कर रहा है!!
गुड! अब इसकी मेमोरी की इलेक्ट्रिकल वेव्स WIFI से...



...हमारे 'कन्वर्टर' से जुड़ेंगी, और उनको पिक्चर्स में बदल कर स्क्रीन पर दिखाएंगी।

पर..पर यह तो इसकी चालीस साल पुरानी मेमोरी लगती है। बंदूक लिए खाड़ा है। जवान शिकारी रहा होगा जैकब!



ओऽऽ! इसकी फैमिली भी है! एक लड़का है। पर... वह अब कहां है?

आगे की मेमोरी फीड का इंतजार करना पड़ेगा!

पर हमारे पास इतना टाईम है क्या? ऐसे तो उस कंटेनर का पता मिलने में न जाने कितना टाईम लगेगा।



वह जो भी था; पर ध्रुव नहीं था!

सर, यह है आपका कंटेनर! अनऑफिशियल है, पर कहो तो मास्टर की से खोल भी दूं। खोल दूं?

खोलने का काम मैं खुद कर लूंगा! तुम्हारी मास्टर की से!

सरजी, आपने मेरी जान बचाई है, तो अब नौकरी भी तो बचा लो! ये की दी तो मेरी नौकरी गई समझो!

जब जान ही नहीं रहेगी तो नौकरी रख के क्या करोगे?

ज..जान! पर.. पर आप मेरी जान क्यों लेंगे! मैंने...गड़ब...मैंने तो सुना है कि ध्रुव कभी जान नहीं लेता!

ध्रुव नहीं लेता होगा!...

हम तो जान थोक के भाव में लेते हैं।

..य...यह क्या? तु...तुम तो ध्रुव नहीं हो! कौन हो...



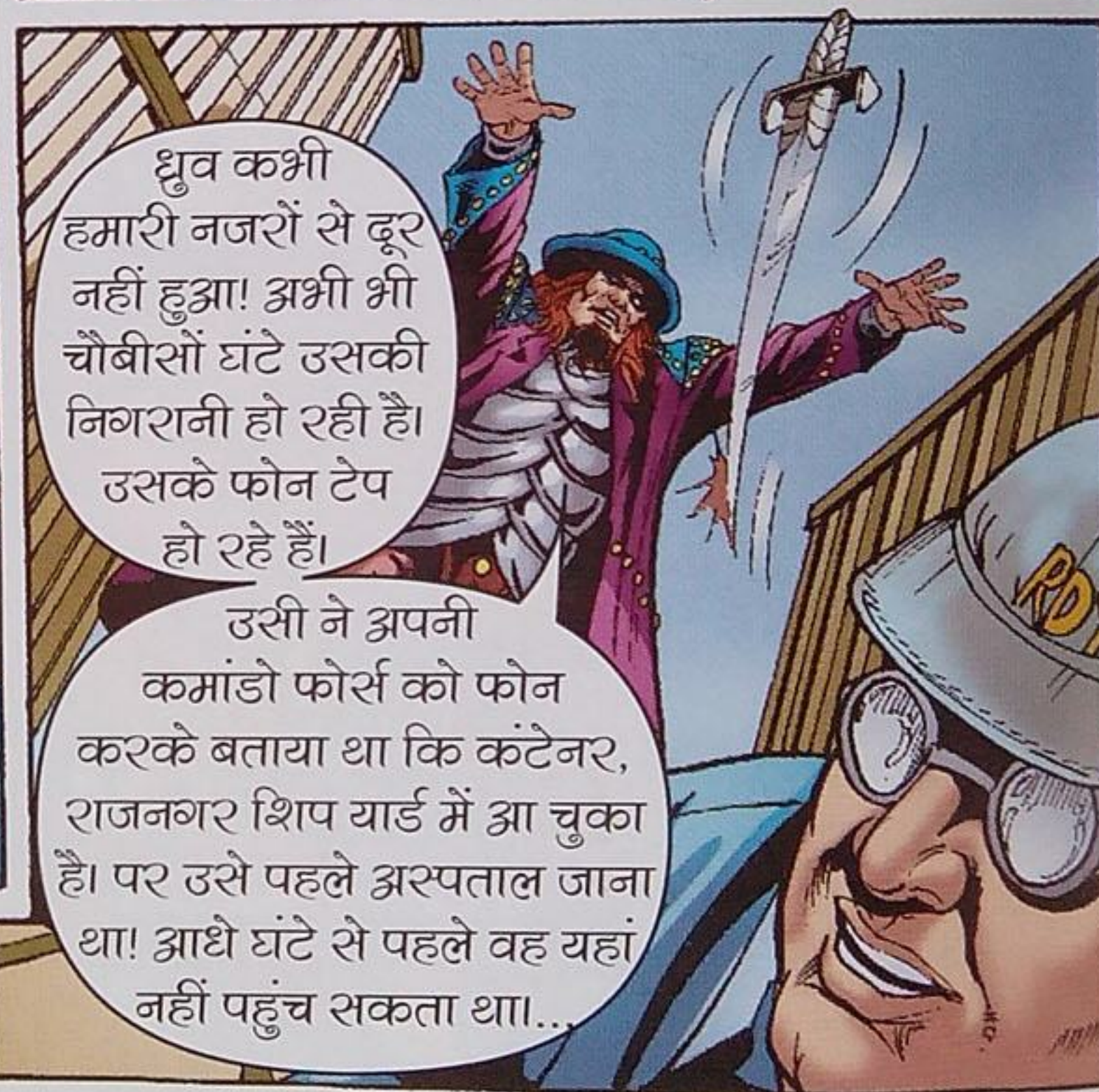
गजब की समझ है तुझमें! मैं तेरी मौत हूँ! गिलीगिली हूँ।

पर क्या करें? सच बताने के लिए तुझे जिंदा नहीं छोड़ सकता!

मदद तो की है तूने!



हम हंटर्स हैं! पहले शिकार को समझते हैं और फिर शिकार करते हैं।



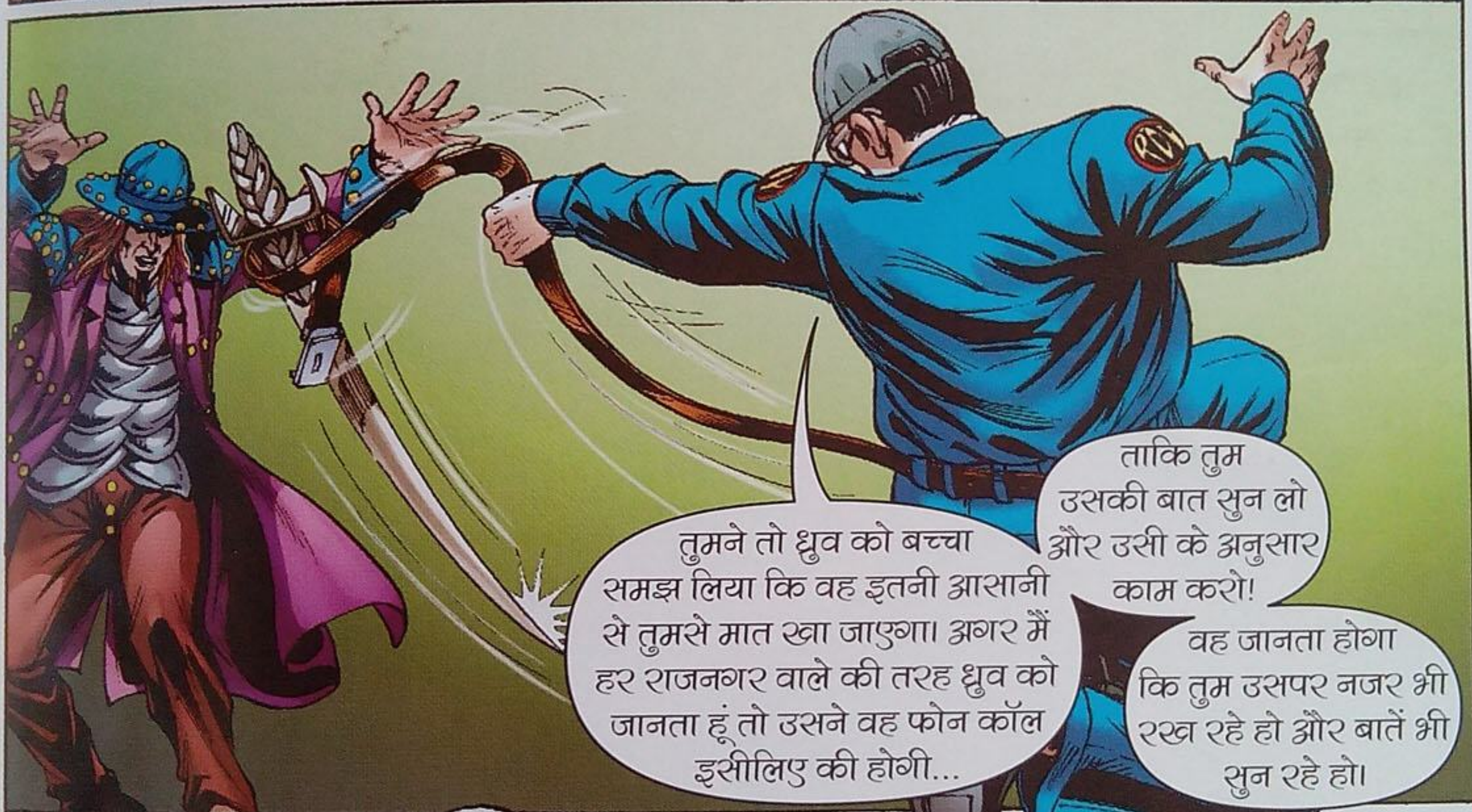
उसी ने अपनी कमांडो फोर्स को फोन करके बताया था कि कंटेनर, राजनगर शिप यार्ड में आ चुका है। पर उसे पहले अस्पताल जाना था! आधे घंटे से पहले वह यहां नहीं पहुंच सकता था...



वैसे ताजी रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक घर से ही नहीं निकला है। उसका नौकर दस मिनट पहले कहीं निकला था। शायद वह इंतजार कर रहा है। तो सोच, कि वह तुझे बचाने कैसे आएगा?



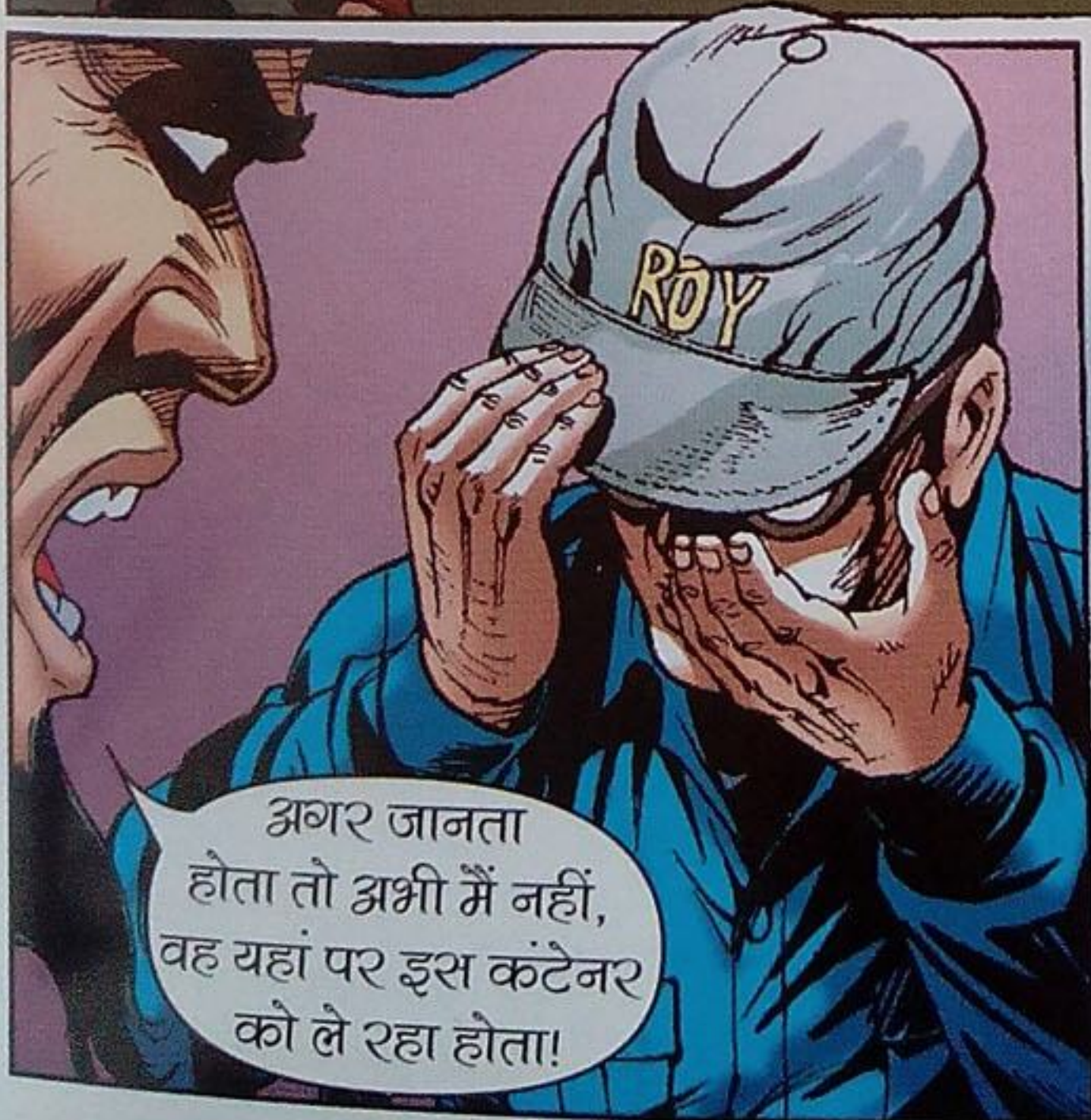
और वह यहां आ भी जाता तो अभी तक तो सिर्फ उसका परिवार और कमांडो फोर्स गए हैं, अब जान भी जाती!



तुमने तो ध्रुव को बच्चा समझ लिया कि वह इतनी आसानी से तुमसे मात खा जाएगा। अगर मैं हर राजनगर वाले की तरह ध्रुव को जानता हूं तो उसने वह फोन कॉल इसीलिए की होगी...

ताकि तुम उसकी बात सुन लो और उसी के अनुसार काम करो!

वह जानता होगा कि तुम उसपर नजर भी रख रहे हो और बातें भी सुन रहे हो।



अगर जानता होता तो अभी मैं नहीं, वह यहां पर इस कंटेनर को ले रहा होता!



यही तो कर रहा हूं!



सलैशबैंक

कमरा:

रहस्यों की पर्तें खुलेंगी और जैकब के जीवन के एक नहीं कई रहस्य उजागर होंगे। और हर रहस्य धुव की जिंदगी को और बिखोरता जाएगा। तब तक जब तक वह खुद टूट कर बिखार न जाए।